मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 286
बुधवार, 06 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

तमिलनाडु में टीवीके के नेता विजय 7 मई को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

तमिलनाडु, 05 मई। तमिलनाडु में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव होने वाला है। तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के नेता विजय 7 मई को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। सूत्रों ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में होने की संभावना है। विजय का राजनीतिक पदार्पण बेहद शानदार रहा है, क्योंकि टीवीके तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और 234 सदस्यीय विधानसभा में से 108 सीटें जीतीं।

पार्टी का प्रदर्शन द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईएडीएमके) के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि टीवीके बहुमत के 118 सीटों के आंकड़े से मात्र 10 सीटें पीछे रह गई। सरकार बनाने के लिए, टीवीके द्वारा कांग्रेस, पीएमके, वामपंथी दलों, सीपीआई (एम) और वीसीके सहित छोटे दलों से समर्थन मांगने की उम्मीद है, जिससे उसे बहुमत का आंकड़ा पार करने में मदद मिल सकती है। चुनाव परिणामों ने डीएमके के निवर्तमान मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भी बड़ा झटका दिया, जो कोलाथुर में टीवीके के वीएस बाबू से 8,795 वोटों के अंतर से हार गए।

तमिलनाडु चुनावों में उनकी पार्टी के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने के बाद, टीवीके प्रमुख विजय ने ट्वीट किया कि माननीय प्रधानमंत्री मोदी, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। हमारी जनता का कल्याण ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है। राजनीति से ऊपर उठकर, हम राज्य की प्रगति और तमिलनाडु की जनता के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हम इस प्रयास में केंद्र सरकार के सहयोग की आशा करते हैं। मोदी ने एक्स पर लिखा था कि तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन का समर्थन करने वाले तमिलनाडु के मतदाताओं को हमारा हार्दिक धन्यवाद। हम जनता की समस्याओं का समाधान खोजने और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाएंगे। तमिलनाडु विजय मोर्चा को उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई। केंद्र सरकार तमिलनाडु की प्रगति और जनता के कल्याण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

डीएमके को मात्र 59 सीटें मिलीं, जो पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण गिरावट है। चुनाव परिणामों के बाद, तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने मंगलवार को एमके स्टालिन और उनके मंत्रिपरिषद का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। राज्यपाल ने स्टालिन से अनुरोध किया है कि वे नई सरकार के कार्यभार संभालने तक पद पर बने रहें। विजय का सत्ता में आना एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि जून 1977 के बाद तमिलनाडु में पहली बार डीएमके और एआईएडीएमके के प्रभुत्व से बाहर की सरकार बनेगी। उनकी जीत ने अभिनेताओं के राजनीति में आने के संघर्ष के बारे में लंबे समय से चली आ रही धारणाओं को तोड़ दिया है।

राज्यसभा सीटों पर छिड़ी जंग, केजरीवाल का ऐलान, बीजेपी से लेंगे चुन-चुन कर बदला

नई दिल्ली, 05 मई। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पंजाब की जनता की राज्यसभा सीटों को हड़पने का आरोप लगाया। यह आरोप तब लगाया गया जब आम आदमी पार्टी के सात सांसदों ने भाजपा में शामिल हो गए। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी फरवरी चुनावों में इस कथित लूट का बदला लेगी। राजधानी में अपने पार्टी सदस्यों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि सात लोग जो आम आदमी पार्टी छोड़कर चले गए हैं, भाजपा ने चोरी की है। ये छह राज्यसभा सीटें पंजाब की जनता की थीं। भाजपा ने उन्हें लूट लिया है। हम अगले साल फरवरी में इसका बदला लेंगे।

उनकी ये टिप्पणी भाजपा सांसद राघव चड्ढा के उन आरोपों के जवाब में आई है, जिनमें उन्होंने पंजाब सरकार पर आम आदमी पार्टी के उन पूर्व सांसदों को निशाना बनाने का आरोप लगाया था, जिन्होंने पाला बदलकर भाजपा में शामिल हो गए थे। चड्ढा ने इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर पंजाब सरकार पर सांसदों को डराने-धमकाने और उनके संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करने पर उन्हें निशाना बनाने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था।

पर साझा की गई एक पोस्ट में चड्ढा ने दावा किया कि पंजाब में अअढ सरकार ने सतर्कता बोर्ड और प्रदूषण बोर्ड का इस्तेमाल करके बदले का खतरनाक खेल खेला है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पंजाब सरकार के फंड का इस्तेमाल करके सरकारी एजेंसियों को सोशल मीडिया पर उन्हें और अन्य सांसदों को धमकाने के लिए नियुक्त किया गया था। इस बीच, केजरीवाल ने अपने संबोधन में भाजपा द्वारा लोकतंत्र का अपहरण और हत्या किए जाने पर चिंता व्यक्त की और पश्चिम बंगाल और असम में पार्टी की विवादास्पद जीत का उदाहरण दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने विरोधियों को कमजोर करने के लिए मतदाता सूची से नाम हटाने जैसी हथकंडे अपना रही है, और विशेष रूप से 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपनी हार का जिक्र किया।

जयशंकर ने जमैका विदेश मंत्री से की मुलाकात, भारत-जमैका संबंधों को मजबूत करने पर दिया जोर

नई दिल्ली, 05 मई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमैका की अपनी समकक्ष कामिना जे स्मिथ और वरिष्ठ मंत्रियों के साथ व्यापक चर्चा की। वार्ता के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की गई और दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों का आह्वान किया गया। भारत के रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को कैरेबियन देशों के साथ और मजबूत करने के उद्देश्य से जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के अपने नौ दिवसीय तीन राष्ट्रों के दौरे के पहले चरण के तहत जयशंकर शनिवार को जमैका की राजधानी किंग्स्टन पहुंचे।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि उन्होंने सोमवार को विदेश मंत्री स्मिथ और कैबिनेट के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर भारत-जमैका साझेदारी की "गहन समीक्षा" की। उन्होंने कहा, "शिक्षा और स्वास्थ्य, कृषि एवं डिजिटल, पर्यटन, खेल और मनोरंजन, बुनियादी ढांचा, दक्षता विकास और बहुपक्षीय मुद्दों में अपने संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।" बाद में दिन में मंत्री ने जमैका के उद्योग और व्यापार जगत के नेताओं से बातचीत की तथा वैश्विक स्तर पर साझेदारी में विविधता लाने के साथ-साथ आर्थिक जुड़ाव को गहरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जयशंकर ने एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "वार्ता के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि हम सभी विविधता पर जोर दे रहे हैं और विश्वसनीय साझेदारों की तलाश कर रहे हैं, ऐसे में भारत-जमैका व्यापार संबंधों को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता बढ़ जाती है।" उन्होंने यह भी कहा कि द्विपक्षीय और क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग की संभावनाओं को "और अधिक सक्रियता से तलाशना चाहिए"। उन्होंने व्यापारिक नेताओं के साथ इस वार्ता का आयोजन करने के लिए उद्योग मंत्री ऑबिन हिल की सराहना भी की।

मोदीऔर शाह की चुनावी रणनीति गजब की होती है, इनसे बहुत कुछ सीखने की जरूरत है: शशि थरूर

नई दिल्ली, 05 मई। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और संगठन क्षमता की खुलकर सराहना की है। उन्होंने कहा है कि इन नेताओं ने पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में प्रभावी प्रदर्शन किया है, जो उनकी मजबूत संगठन शक्ति और चुनाव संचालन की दक्षता को दर्शाता है। थरूर ने कहा कि इन दोनों नेताओं की कार्यशैली पेशेवर है और वह चुनाव अभियान में संसाधनों का व्यापक उपयोग करते हैं।

थरूर ने यह भी स्वीकार किया कि अन्य दलों विशेषकर कांग्रेस, को इस प्रकार की रणनीति और संगठन से सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सत्ता में आने के बाद इन नेताओं का संदेश देश को जोड़ने वाला होगा, न कि विभाजन करने वाला। इसके साथ ही थरूर ने कांग्रेस की स्थिति पर भी स्पष्ट टिप्पणी की। उन्होंने केरल में कांग्रेस की जीत की सराहना करते हुए कहा कि यह उदाहरण दर्शाता है कि यदि पार्टी सही रणनीति अपनाए तो अन्य राज्यों में भी सफलता प्राप्त कर सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस को अब गंभीर आत्ममंथन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी पहले भी इस आवश्यकता को स्वीकार कर चुकी है, लेकिन अब समय आ गया है कि इसे व्यवहार में उतारा जाए। थरूर ने कहा कि केरल में जो रणनीति सफल रही, उसका विश्लेषण कर उसे अन्य राज्यों में लागू करने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि केवल चुनावी परिणामों पर प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि संगठनात्मक स्तर पर ठोस बदलाव करने होंगे। उनका मानना है कि कांग्रेस को अपनी कार्यप्रणाली, संसाधन प्रबंधन और जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में आए चुनाव परिणामों पर टिप्पणी करते हुए थरूर ने दोहराया कि पार्टी के सामने चुनौती स्पष्ट है और उससे निपटने के लिए ठोस रणनीति जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस केरल जैसी सफलता को दोहरा पाती है, तो वह राष्ट्रीय स्तर पर फिर से मजबूत स्थिति हासिल कर सकती है। देखा जाए तो थरूर का बयान एक तरफ राजनीतिक प्रतिस्पर्धियों की क्षमता को स्वीकार करने का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर अपनी ही पार्टी के लिए सुधार और पुनर्गठन का स्पष्ट संदेश भी देता है।

दिल्ली में टला बड़ा हादसा, सोलर पैनल में लगी आग पर पाया गया काबू

नई दिल्ली। नई दिल्ली में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की इमारत में आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन विभाग ने बताया कि आग सोलर पैनल वाले एक बॉक्स से शुरू हुई।

आग पर अब काबू पा लिया गया है। इस घटना में किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

पांच दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की सूचना दोपहर करीब 1:05 बजे मिली और 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। सोमवार को चावड़ी बाजार इलाके की एक इमारत में आग लग गई।

कनॉट प्लेस स्थित अग्निशमन केंद्र के अनुसार, घटना की सूचना रविवार शाम करीब 7:21 बजे मिली, जिसके बाद अग्निशमन दल तुरंत मौके पर भेजे गए।

नैतिक तौर पर हम जीते हैं, मेरे इस्तीफे का सवाल ही नहीं, बंगाल के नतीजों पर बोलीं ममता बनर्जी

कोलकता, 05 मई। पश्चिम बंगाल चुनाव की हार को अस्वीकार करते हुए ममता बनर्जी ने अपने इस्तीफे पर बड़ा खुलासा किया है। ममता बनर्जी ने कहा कि नैतिक तौर पर हम जीते हैं, मेरे इस्तीफे का सवाल ही नहीं। तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी का कहना है कि उनकी पार्टी चुनाव नहीं हारी है और कहती हैं, हम वापसी करेंगे, हम लड़ाई लड़ेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, कार्यवाहक मुख्यमंत्री और तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने भगवा पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और केंद्रीय बलों पर चुनाव कराने की आड़ में अत्याचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैंने 2004 के बाद से इस तरह के अत्याचार नहीं देखे हैं। यह भयावह है। पश्चिम बंगाल की कार्यवाहक मुख्यमंत्री और तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सोमवार को भवानीपुर स्थित मतगणना केंद्र में अपने साथ हुई बदसलूकी और शारीरिक मारपीट के आरोपों को दोहराते हुए कहा कि उन्हें पेट और पीठ पर लात मारी गई।

ममता ने आगे कहा कि उनकी पार्टी की लड़ाई सिर्फ भाजपा से नहीं बल्कि भारतीय चुनाव आयोग से भी है। उन्होंने कहा कि टीएमसी चुनाव आयोग के खिलाफ कार्रवाई करेगी, लेकिन अभी इसका खुलासा नहीं किया जाएगा। ममता ने कहा कि हम कार्रवाई कर रहे हैं, हम पलटवार करेंगे। लेकिन रणनीति गोपनीय है।

संजू सैमसन-कार्तिक शर्मा ने बिगाड़ा दिल्ली का गणित, चेन्नई को दिल्ली 8 विकेट से जीत

नई दिल्ली। संजू सैमसन और कार्तिक शर्मा के बीच हुई शतकीय साझेदारी के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में मेजबान दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने संघर्ष करते हुए 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 155 रन बनाए थे। चेन्नई ने 17.3 ओवरों में दो विकेट खोकर ये टारगेट हासिल कर लिया।

ये चेन्नई की लगातार दूसरी जीत है। उसने इससे पहले मुंबई इंडियंस को हराया था। इस जीत से पांच बार की चैंपियन ने अपने आप को प्लेऑफ की रेस में आगे कर दिया। संजू ने नाबाद 87 रन बनाए। इसके लिए उन्होंने 52 गेंदों का सामना किया और सात चौकों के अलावा छह छक्के मारे। कार्तिक के साथ मिलकर उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 114 रन जोड़े।

इस हार के बाद दिल्ली की प्लेऑफ की रेस काफी मुश्किल हो गई है। उसे अब यहां से हर मैच जीतना होगा तभी वह रेस में बनी रह पाएगी। चेन्नई की ये 10 मैचों में पांचवीं जीत है, जबकि पांच में ही उसे हार मिली है। 10 अंकों के साथ वह छठे स्थान पर है। वहीं दिल्ली 10 मैचों में चार जीत और छह हार के बाद आठ अंक लेकर सातवें स्थान पर है।

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम: सत्ता, संदेश और बदलती राजनीति का तीखा सच

डॉ. घनश्याम बादल

पांच महत्वपूर्ण राज्यों- पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के ताजा विधानसभा चुनाव परिणाम केवल सरकारों के गठन या पतन की कहानी नहीं हैं, बल्कि ये भारतीय लोकतंत्र की बदलती मानसिकता, मतदाता की परिपक्वता और राजनीति के नए समीकरणों का जीवंत दस्तावेज हैं। इन चुनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब सत्ता केवल परंपरा, भावनाओं या जातीय समीकरणों के भरोसे नहीं चल सकती; जनता परिणाम चाहती है, विकल्प खोजती है और समय आने पर सत्ता को बेदखल करने में हिचकती नहीं। पश्चिम बंगाल के परिणाम केवल एक राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि एक लंबे समय से पनप रहे असंतोष का विस्फोट है। वर्षों से स्थापित सत्ता के खिलाफ जनता के भीतर जो नाराजगी थी, वह इस बार निर्णायक रूप से बाहर आई। प्रशासनिक पक्षपात, कथित भ्रष्टाचार, स्थानीय स्तर पर सत्ता के केंद्रीकरण और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दों ने मतदाता को विकल्प तलाशने पर मजबूर किया। दूसरी ओर, विपक्ष ने केवल विरोध नहीं किया बल्कि बूथ स्तर तक संगठन खड़ा किया, मतदाता से सीधा संवाद स्थापित किया और एक वैकल्पिक राजनीतिक कथा गढ़ी। यह जीत केवल एक दल की नहीं, बल्कि उस रणनीति की है जिसमें संगठन, विचार और मौके की सही पहचान का संगम हुआ। हालांकि अब इन चुनाव परिणाम की सच्चाई से बचने के लिए विपक्ष एस आइ आर, केंद्र द्वारा प्रशासनिक मशीनरी एवं सीबीआई तथा ई डी जैसे संस्थानों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाएगा। लेकिन बेहतर हो कि अभी तक सट्टा रोड दल उन मुद्दों पर गौर करें जिनकी वजह से बंगाल की जनता में असंतोष पनप और गलत संदेश गया।

असम में तस्वीर थोड़ी अलग है यहां सत्ता विरोध की लहर को वहां के सत्तारूढ़ नेतृत्व ने कुंद कर दिया। आमतौर पर भारतीय राजनीति में यह देखा जाता है कि लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली सरकारें एंटी-इनकंबेंसी की शिकार हो जाती हैं, लेकिन असम में ऐसा नहीं हुआ। इसका कारण है नेतृत्व की स्पष्टता, योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन और पहचान की राजनीति का संतुलित उपयोग। सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें मतदाता के जीवन से जोड़ा। इसके साथ ही, विपक्ष की कमजोर रणनीति और बिखराव ने सत्ता पक्ष के लिए राह और आसान कर दी। यह परिणाम बताता है कि यदि नेतृत्व मजबूत हो और योजनाएं जमीन पर दिखें, तो एंटी-इनकंबेंसी को हराया जा सकता है। पुडुचेरी का जनादेश छोटे राज्य का बड़ा संकेत है। यहां मतदाता ने स्थिरता को प्राथमिकता दी। गठबंधन की राजनीति का सफल प्रयोग यह दिखाता है कि जब स्थानीय नेतृत्व और राष्ट्रीय समर्थन का संतुलन बनता है, तब परिणाम अनुकूल हो सकते हैं। विपक्ष यहां एक स्पष्ट वैकल्पिक दृष्टि देने में विफल रहा। नतीजा यह हुआ कि मतदाता ने प्रयोग करने के बजाय स्थायित्व को चुना। यह संकेत पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है कि गठबंधन तभी सफल होता है जब उसमें स्पष्ट नेतृत्व और साझा एजेंडा हो। अब केरल के परिणाम सत्ता के चक्र को दशार्ते हैं। यहां मतदाता ने फिर सिद्ध किया कि कोई भी दल सत्ता को स्थाई डेरा न समझे। लंबे समय तक शासन करने के बाद स्वाभाविक प्रमाद और नीतिगत असंतोष ने सरकार के खिलाफ माहौल बनाया। कांग्रेस ने इस अवसर को पहचाना, अपने संगठन को पुनर्गठित किया और जमीनी स्तर पर प्रभावी अभियान चलाया। इसके अलावा, राज्य में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का चरित्र ऐसा है कि मतदाता संतुलन बनाए रखना चाहता है। यह परिणाम कांग्रेस के लिए राहत का संकेत है, लेकिन स्थायी पुनरुत्थान का प्रमाण नहीं, बल्कि एक अवसर है जिसे उसे आगे भी साबित करना होगा। तमिलनाडु का जनादेश इन सभी राज्यों में सबसे चौंकाने वाला और दूरगामी प्रभाव वाला है। दशकों से चली आ रही दो-दलीय राजनीति को मतदाता ने एक झटके में चुनौती दे दी। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में बदलाव का संकेत है। जनता ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह अब विकल्प चाहती है, और यदि पारंपरिक दल उस विकल्प को देने में विफल रहते हैं, तो वह नए नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए तैयार है। करिश्माई नेतृत्व, युवा मतदाताओं का समर्थन और परंपरागत दलों के प्रति उदासीनता इन तीनों ने मिलकर एक नई राजनीतिक ताकत को जन्म दिया। यह घटना केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगी; इसका असर अन्य राज्यों की राजनीति पर भी पड़ेगा, जहां लंबे समय से एक ही तरह की सत्ता संरचना बनी हुई है। इन पांचों राज्यों के परिणामों को समग्र रूप से देखें तो एक स्पष्ट संदेश उभरता है- भारतीय मतदाता अब अधिक सजग, अधिक मांग करने वाला और अधिक निर्णायक हो चुका है। वह न तो केवल वादों से प्रभावित होता है और न ही केवल भावनात्मक अपील से। उसे ठोस काम चाहिए, स्पष्ट नेतृत्व चाहिए और विकल्प चाहिए। यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, क्योंकि यह राजनीतिक दलों को जवाबदेह बनाता है। राष्ट्रीय राजनीति के स्तर पर इन परिणामों का प्रभाव गहरा होगा। एक ओर जहां सत्ताधारी दल इस इस परिणाम से उत्साहित होकर अगले वर्ष होने वाले उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के चुनाव में भी जीत का परचम लहराने के लिए साम दाम दंड भेद का इस्तेमाल करेगा वहीं विपक्ष को भी यह संदेश मिला है कि यदि वह संगठित हो, रणनीति स्पष्ट रखे और जमीनी मुद्दों को उठाए, तो वह वापसी कर सकता है। साथ ही, क्षेत्रीय और नए दलों का उभार यह दिखाता है कि भारतीय राजनीति अब बहुध्रुवीय होती जा रही है। यह प्रवृत्ति आने वाले लोकसभा चुनावों को और अधिक प्रतिस्पर्धी बना सकती है। अस्तु ,कहना गलत नहीं होगा कि 2026 के ये चुनाव भारतीय लोकतंत्र के ह्लपरिपक्वता चरणह्व का संकेत हैं। यहां मतदाता ने सत्ता को संदेश दिया है- काम करो, वरना जाओ। यह संदेश जितना सरल है, उतना ही कठोर भी। अब राजनीति में टिके रहने के लिए केवल नारे नहीं, परिणाम देने होंगे, केवल चेहरे नहीं, विश्वसनीयता चाहिए होगी।

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम: लोकतंत्र की जीवंत तस्वीर

-डॉक्टर संतोषकुमार मिश्रा

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम हमेशा से पूरे देश का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं। यह राज्य न केवल अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, बल्कि यहाँ की राजनीति भी उतनी ही गतिशील और प्रभावशाली है। हाल के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 के परिणामों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जनता का निर्णय सर्वोपरि होता है।

इन चुनावों में मुख्य मुकाबला ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच था। चुनाव प्रचार के दौरान दोनों दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी, जिससे यह मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया। अंततः तृणमूल कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर सत्ता में वापसी की, जो ममता बनर्जी के नेतृत्व पर जनता के विश्वास को दशार्ता है। इस चुनाव की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें रिकॉर्ड स्तर पर मतदाताओं ने भाग लिया। महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की सक्रिय भागीदारी ने लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत किया। चुनाव परिणामों ने यह भी दिखाया कि जनता विकास, स्थिरता और स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता देती है। पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम केवल एक राज्य की राजनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश भी देते हैं। यह संदेश है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सबसे महत्वपूर्ण होती है, और वही अंतिम निर्णय करती है कि किसे सत्ता में बैठना है। अंततः, ये परिणाम भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और परिपक्वता का प्रतीक हैं। यह हमें याद दिलाते हैं कि चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं और उम्मीदों का प्रतिबिंब भी होते हैं। राज्य में कुल 294 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए 148 सीट जरूरी होती हैं। मतदान प्रतिशत बहुत अधिक रहा, जिससे लोकतंत्र की मजबूत भागीदारी दिखी।

कई जगहों पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन अंत में भाजपा की बढ़त साफ मुख्य परिणाम

भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार पश्चिम बंगाल में स्पष्ट बहुमत हासिल किया। भाजपा ने लगभग 205 सीटों पर बढ़त/जीत दर्ज की, जो बहुमत (148 सीट) से काफी ज्यादा है। तृणमूल कांग्रेस को बड़ा नुकसान हुआ और सीटें लगभग 80-85 के आसपास सिमट गईं। पश्चिम बंगाल चुनाव 2026 के परिणाम एक बड़े राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक हैं। लंबे समय से सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस को हटाकर भाजपा ने नई सरकार बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ाया है। यह चुनाव दिखाता है कि जनता का रुख समय के साथ बदल सकता है और लोकतंत्र में अंतिम फैसला मतदाता ही करता है।

क्या बंगाल की आंधी के बाद पंजाब की बारी है?

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का जोश हाई है। दिल्ली समेत देश के तमाम राज्यों में स्थित भाजपा कार्यालयों में जीत का जश्न मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी भी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के जश्न में शामिल हुए व साथ कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया ।इस बीच पश्चिम बंगाल में मिली बढ़त के बीच भाजपा ने इस प्रदर्शन को राजनीतिक हथियार बनाना शुरू कर दिया है क्योंकि बंगाल में बीजेपी की मजबूत स्थिति को पार्टी बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देख रही है। यह प्रदर्शन न केवल राज्य की राजनीति में असर डाल सकता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी बीजेपी की रणनीति को मजबूती देने वाला माना जा रहा है।

चुनाव नतीजों के बाद जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए पंजाब के भाजपा नेताओं ने इस बात को दोहराया कि यदि कड़ी मेहनत से पश्चिम बंगाल में असंभव को संभव किया जा सकता है तो उसी तरह की मेहनत पंजाब में भी जीत दिलाएगी। प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ ने तो कार्यकर्ताओं को 2027 के लिए कमर कस लेने की बात कहते कहा कि पार्टी का अगला फोकस पंजाब पर ही रहना है।

यही नहीं बंगाल की जीत पंजाब के लिए कई मायनों में अहम है। माना जा रहा है कि इस जीत के बाद भाजपा नेतृत्व का पूरा ध्यान अब पंजाब के 2027 में होने वाले चुनाव पर रहेगा। ऐसे में आगामी दिनों में पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार और केंद्र की भाजपा सरकार के बीच टकराव और बढ़ने के भी आसार बन सकते हैं।2022 के विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगातार आप और केंद्र की भाजपा सरकार के बीच किसी न किसी मुद्दे को लेकर टकराव बना रहा है, फिर भले ही वह पानी का मुद्दा हो, आरडीएफ न देने की बात हो, बीबीएमबी का मुद्दा हो या फिर बाढ़ राहत के लिए पैसे नहीं देने की बात हो। हर मामले में दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप जारी रहे हैं।

भाजपा के प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'पश्चिम बंगाल के बाद अब पंजाब की बारी! AAP, अपना बोरिया-बिस्तर बांध लो!' इस बयान से साफ है कि भाजपा इस बढ़त को अन्य राज्यों में भी सियासी मुद्दा बनाने की तैयारी में है।

इससे पहले, केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने कहा कि बंगाल के बाद पंजाब में तख्तापलट की बारी है। वहीं पंजाब भाजपा ने भी सोशल मीडिया (X) पर पोस्टर जारी कर लिखा- बंगाल के बाद पंजाब की बारी, भाजपा की है पूरी तैयारी। भाजपा के उत्साहित नेताओं की बयानबाजी को लेकर आप सरकार चला रहे मुख्यमंत्री भगवंत ने पलटवार किया करते हुए कहा कि ये शेखचिल्ली के सपने हैं। पंजाब में इखढ को वोट नहीं मिलेंगे। पंजाबी जिस बात पर अड़ गए, उस पर अड़ गए।

वहीं आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया सपोर्टर्स अब पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल से 2027 इलेक्शन के लिए पंजाब पर फोकस करने की बात कह रहे हैं। 3 पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहना है कि भाजपा ने बंगाल में ममता बनर्जी का किला ढहा दिया। साफ तौर पर अगली बारी पंजाब की ही होगी ।ऐसा इसलिए क्योंकि जैसे बंगाल में भाजपा कभी सरकार नहीं बना सकी, उसी तरह पंजाब में अकेले दम पर सत्ता पाना भी भाजपा के लिए किसी सपने से कम नहीं। भाजपा अब पंजाब में एग्रेसिव ढंग से पॉलिटिक्स करेगी ।इससे आप में टूट का खतरा बढ़ेगा। एक्सपर्ट बंगाल चुनाव का असर कांग्रेस पर भी मान रहे हैं।

बताया जाता है कि भाजपा जैसे बंगाल जीत गई। अब वह पंजाब में भी साम-दाम-दंड-भेद की नीति अपनाएगी। भाजपा के लिए बंगाल की तरह पंजाब भी सियासी कामयाबी की बड़ी पहेली रहा है। ऐसे में अब बंगाल का फॉमूर्ला पंजाब में भी लागू होगा। यह भी सही है कि भाजपा की बंगाल जीत के बाद आप में टूट का खतरा बढ़ेगा। विधायक समझेंगे कि अगर भाजपा बंगाल में सरकार बना सकती है तो पंजाब में भी चौंका सकती है। उनका भरोसा बढ़ेगा और टूट के मौके ज्यादा बनेंगे। इसमें आप छोड़ने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और संदीप पाठक उनके बड़े हथियार बन सकते हैं।

पर यह भी बताया जाता है कि अभी ये टूट नहीं होगी। अगर अभी कोई टूटकर गया तो आप सरकार उसे नहीं छोड़ेगी। रेड होंगी या फिर केस भी हो सकता है। फिर जमानत के चक्कर या फिर जेल जाना होगा। जैसा कि आप छोड़ने वाले राज्यसभा सांसदों के साथ हुआ। इसमें राजिंदर गुप्ता पर रेड हुई, राघव चड्ढा और हरभजन सिंह की सिक्योरिटी वापस ले ली, संदीप पाठक पर भी FIR की चर्चा है। ऐसे में कोई रिस्क नहीं लेगा। असली टूट चुनाव आने के 1-2 महीने के पहले होगी।

बताया यह भी जाता है कि बंगाल में भाजपा जीत गई, इसका इंपैक्ट बिल्कुल पंजाब में दिखेगा। बंगाल के बाद भाजपा पंजाब में भी चौंकाने वाली परफॉर्मेंस दिखा सकती है। ऐसा भी लग रहा है कि पंजाब में संघ भी चुनाव में भाजपा की प्लानिंग को लेकर एक्टिव है। भाजपा पंजाब को बंगाल के बाद रिजल्ट के बाद ज्यादा सीरियस लेगी। अब वह ये मानेगी कि अगर बंगाल फतेह हो सकती है तो पंजाब भी इंपासिबिल नहीं है। इसके लिए भाजपा डेरा फैक्टर की गोटियां भी सेट कर रही है। इसमें डेरा बल्लां हो या ब्यास व डेरा सच्चा सौदा, तीनों जगह भाजपा संपर्क में है। हालांकि, इसका वोट बैंक पर कितना असर होता है, यह कभी सामने नहीं आता, लेकिन एक परसेप्शन जरूर भाजपा बनाने की कोशिश कर रही है ।बंगाल चुनाव से बड़ा मैसेज कांग्रेस के लिए भी आ रहा है। यहां सिर्फ भाजपा और TMC के बीच फाइट दिखी, लेकिन कांग्रेस डबल फिगर के आंकड़े तक नहीं पहुंची। पंजाब में भी अगर भाजपा का वोट शेयर बढ़ा तो कांग्रेस-आप को डेंट लग सकता है। ऐसा भी संभव है कि 2027 में पंजाब का चुनावी मुकाबले का शोर आप और भाजपा के बीच का ज्यादा हो।

कुछ लोगों का कहना है कि बंगाल चुनाव में भाजपा की जीत पंजाब की चुनावी राजनीति को तय करेगी। भाजपा बंगाल जीत गई, अब 2027 में भाजपा मिशन पंजाब को इनडेप्थ तरीके से लागू करेगी ।जो फॉमूर्ला बंगाल में कामयाब रहेगा, उसे पंजाब के लिहाज से भी देखा जाएगा। विधानसभा चुनाव नजदीक आने पर आप में भी टूट दिखाई दे सकती है। यही वजह है कि अभी राघव चड्ढा और संदीप पाठक पंजाब को लेकर बहुत एक्टिव नजर नहीं आ रहे। अभी बैकएंड प्लानिंग होगी, फिर भाजपा मैदान में आएगी और पंजाबियों को यकीन दिलाएगी कि बंगाल में लोगों ने भरोसा किया तो इस बार पंजाब को भी भाजपा को मौका देना चाहिए।

पंजाब भाजपा के प्रधान सुनील जाखड़ ने कहा कि मेरा मानना है कि समझदार लोग बंगाल और पंजाब दोनों जगह रहते हैं। जब बंगाल और पंजाब के बीच तुलना की जाती है, तो वे आमतौर पर कानून-व्यवस्था और बेरोजगारी को लेकर होती है, और बंगाल के मामले में, आतंकवाद और गैंगस्टरवाद को लेकर। पंजाब की वर्तमान स्थिति को देखते हुए, लोग आश्चर्य करते हैं कि यदि बंगाल खुद को कुशासन से मुक्त कर सकता है, तो पंजाब क्यों नहीं? हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कहना है कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के लोगों का शोषण किया। आज बंगाल आजाद हो गया है। प्रधानमंत्री की नितियों के कारण बंगाल बच गया है। बंगाल के बाद पंजाब की बारी है। मोदी जी ने कई योजनाएं लागू कर रखी हैं, कर देंगे काम। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने घोषणा की थी कि महिलाओं को एक हजार रुपए हर महीने देंगे। वहां के मुख्यमंत्री को पता तो चलता नहीं। शाम को वो राजी (खुश) हो जाता है, उसे 5 बजे के बाद सारा पिंड मित्रां दा लगदा।

वहीं मुख्य मंत्री भगवंत मान का कहना है कि बंगाल में भाज्पा आ गई। असम में पहले ही भाजपा थी। पंजाब में अभी तो बदलाव हुआ है। पंजाब को लेकर भाजपा सोचे ना कि ऐसा कुछ कर लेंगे। हम पंजाबी हैं, जिस बात पर अड़ गए, उस पर अड़ गए। पंजाब का भाजपा ने बहुत नुकसान किया। फ्ळ्रऋका पैसा रोक लिया। 700 किसान शहीद कर दिए। हर बात पर हमसे लड़ते हैं।

मान ने कहा कभी कहते हैं तुम्हारी यूनिवर्सिटी छीन लेंगे। कभी कहते हैं चंडीगढ़ हमारा हो जाएगा, उसे अलग कर देंगे। भाखड़ा डैम के पानी को अपना बता रहे हैं, प्रबंधक लगाने की बात करते हैं। उन्होंने कभी पंजाब के हक की बात तो की नहीं, सुनील जाखड़ और कैप्टन अमरिंदर सिंह को पूछ लो, बिट्टू भी भाजपा में हैं। किस मुंह से वोट मांगने आएंगे। पब्लिक है सब जानती है।

भाजपा के अगला नंबर पंजाब का कहे जाने पर उट भगवंत मान ने कहा कि ये शेखचिल्ली के सपने हैं। किसानों, योद्धाओं, फकीरों और साहित्यकारों की धरती है, पंजाब के लोग ऐसे झांसे में नहीं आते। वह पॉलिटिकली अवेयर हैं और वह परखकर वोट डालते हैं। ऐसे भी उनके पास एक विधायक है और लोकसभा का तो कोई सांसद है ही नहीं। बताते है कि अब इस बात की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि आगामी दिनों में सीबीआइ और ईडी की ओर से पंजाब में विभिन्न मामलों की जांच में तेजी आए। माना जा रहा है कि इस जांच की आंच में कई बड़े प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी भी आ सकते हैं। ऐसे में केंद्र सरकार पंजाब में तैनात प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को भी संवैधानिक तौर पर कार्य करने संकेत दे सकती है। सीबीआइ की ओर से गिरफ्तार निलंबित डीआइजी हरचरन सिंह भुल्लर के मामले में जांच में तेजी को भी इसी रूप में देखा जा रहा है। सीबीआइ इस मामले की जांच के लिए बड़े आइएएस-आइपीएस अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुलाने का सिलसिला भी शुरू कर सकती है।

प्रजातंत्र, वैचारिक स्वतंत्रता ही उसकी आत्मा और वास्तविक स्वरूप'

संजीव ठाकुर

प्रजातंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि नागरिकों और समाज की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का जीवंत मंच है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना या अर्थव्यवस्था से पहले उसके विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक चेतना में निहित होती है। जब नागरिक बिना भय के सोच सकते हैं, बोल सकते हैं और अपने विचार साझा कर सकते हैं, तभी एक सशक्त, प्रगतिशील और जीवंत लोकतंत्र का निर्माण होता है। हर देश में ऐसे चिंतनशील व्यक्तियों और समूहों का होना आवश्यक है, जो राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकास के सिद्धांतों को नई ऊर्जा प्रदान करें। संस्कृति, संस्कार और वैचारिक परिपक्वता के बिना कोई भी राष्ट्र वैश्विक मंच पर स्थायी प्रगति नहीं कर सकता। विचार केवल शब्द नहीं होते, वे समाज की दिशा और दशा तय करने वाली शक्तियाँ होते हैं।

व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत जैसे गणतांत्रिक देश की मूल आत्मा है। विचार और सिद्धांत मनुष्य की अंतःप्रज्ञा का प्रतिबिंब होते हैं। यदि इन विचारों के प्रवाह को रोका जाए, तो यह केवल अभिव्यक्ति का दमन नहीं, बल्कि व्यक्ति की अंतरात्मा को आहत करना होता है। इतिहास साक्षी है कि जब भी विचारों को दबाने का प्रयास हुआ, उन्होंने और अधिक तीव्र होकर समाज में परिवर्तन की लहर पैदा की।

प्राचीन यूनान के महान दार्शनिक सुकरात इसका सजीव उदाहरण हैं। साधारण रूप-रंग के बावजूद उनके विचारों में अद्भुत मौलिकता और जनजागरण की शक्ति थी। राजसत्ता ने उनके विचारों को खतरा मानकर उन्हें मृत्युदंड दे दिया, परंतु विष का प्याला पीने के बाद भी उनके विचार अमर हो गए। आज भी उनकी शिक्षाएं मानवता को दिशा प्रदान करती हैं।

इसी प्रकार अब्राहम लिंकन ने दास प्रथा के विरुद्ध जो विचार प्रस्तुत किए, वे उस समय अत्यंत क्रांतिकारी थे। उन्होंने कहा कि दास भी मनुष्य हैं और उन्हें समान अधिकार मिलना चाहिए। उनके इन विचारों ने समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया। यद्यपि उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी, पर उनके विचारों ने दास प्रथा के अंत की नींव रखी और मानवाधिकारों की नई परिभाषा गढ़ी। स्वामी विवेकानंद के शब्द हम जो सोचते हैं, वही बन जाते हैं आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके अनुसार विचार ही मनुष्य का निर्माण करते हैं, वही उसे महान या दुष्ट बनाते हैं। व्यक्ति का अस्तित्व उसके विचारों से ही परिभाषित होता है। भौतिक शरीर भले ही नष्ट हो जाए, पर विचारों की शक्ति और प्रभाव कालातीत होते हैं।

आज के डिजिटल युग में यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। सोशल मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी और वैश्विक संवाद के माध्यमों ने विचारों के प्रसार को तीव्र और व्यापक बना दिया है। एक व्यक्ति का विचार अब कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। यही कारण है कि विचार अब केवल व्यक्तिगत नहीं रहते, वे जनांदोलन का रूप धारण कर सकते हैं।.इतिहास में फ्रांसीसी क्रांति इसका सशक्त उदाहरण है, जहाँ जनमानस में जागृत विचारों ने राजसत्ता की जड़ों को हिला दिया। इसी प्रकार भारत का स्वतंत्रता संग्राम भी विचारों और सिद्धांतों की शक्ति का परिणाम था, जहाँ लाखों लोगों ने एक साझा विचारधारा के तहत संघर्ष किया।

हालाँकि, विश्व के कुछ देशों में आज भी विचारों की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं। अभिव्यक्ति के माध्यमों को नियंत्रित कर वैचारिक प्रवाह को सीमित करने का प्रयास किया जाता है। यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है, बल्कि मानवाधिकारों का भी उल्लंघन है। विचारों को कैद नहीं किया जा सकता वे स्वभावतः स्वतंत्र, गतिशील और अजेय होते हैं।

यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को दबाया जा सकता है, पर विचारों को नहीं। विचार एक से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचते हुए और अधिक सशक्त होते जाते हैं। जब एक विचार जनमानस में उतर जाता है, तो वह अकेले व्यक्ति का नहीं रह जाता, बल्कि सामूहिक चेतना का हिस्सा बन जाता है। यही वह क्षण होता है, जब परिवर्तन की शुरूआत होती है और युग निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है।

अतः किसी भी स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के लिए आवश्यक है कि वह अपने नागरिकों को विचारों की स्वतंत्रता प्रदान करे, उन्हें नवीनता और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करे। क्योंकि विचार ही वह शक्ति हैं, जो समाज को दिशा देते हैं, राष्ट्र को ऊँचाइयों तक ले जाते हैं और मानवता को आगे बढ़ाते हैं।

परिवर्तन की बयार और सत्ता के बदलते समीकरण

- महेन्द्र तिवारी

वर्तमान विधानसभा चुनावों के परिणाम केवल सत्ता के हस्तांतरण की कहानी नहीं कहते, बल्कि वे भारतीय लोकतंत्र के विकसित होते स्वरूप का एक जीवंत दस्तावेज हैं। भारत के राजनीतिक मानचित्र पर पूरब से दक्षिण तक जो लहर दिखाई दी है, उसने स्थापित मान्यताओं को ध्वस्त करते हुए एक नई वैचारिक धरातल तैयार की है। पश्चिम बंगाल से लेकर तमिलनाडु और केरल से लेकर असम तक, मतदाताओं ने जिस प्रकार का विवेक प्रदर्शित किया है, वह यह स्पष्ट करता है कि अब भारतीय राजनीति केवल प्रतीकों के सहारे नहीं, बल्कि ठोस परिणामों और नए विकल्पों के आकर्षण पर आधारित हो चुकी है। इन चुनावों में सबसे चौंकाने वाला और ऐतिहासिक परिवर्तन पश्चिम बंगाल की धरती पर देखा गया। भारतीय जनता पार्टी ने यहाँ पहली बार पूर्ण बहुमत प्राप्त कर राज्य में अपनी सरकार बनाने की स्थिति हासिल की है। यह परिवर्तन साधारण नहीं है क्योंकि इसने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले लगभग 15 वर्ष लंबे शासन का अंत कर दिया है। बंगाल की राजनीति, जो दशकों तक वामपंथी और फिर तृणमूल कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही, अब एक बिल्कुल नई दिशा में मुड़ गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यहाँ सत्ता-विरोधी लहर के साथ-साथ सांस्कृतिक और संगठनात्मक बदलाव की जो प्रक्रिया वर्षों से चल रही थी, उसने 2026 में अपना पूर्ण स्वरूप प्राप्त कर लिया। यह जीत केवल एक राज्य की जीत नहीं है, बल्कि इसे पूर्वी भारत में एक बड़ी राष्ट्रीय विचारधारा के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। बंगाल के मतदाताओं ने इस बार भ्रष्टाचार और प्रशासनिक जड़ता के विरुद्ध विकास और नई कार्यसंस्कृति को प्राथमिकता दी है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका है क्योंकि उनकी पकड़ न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर हुई, बल्कि शहरी मध्यम वर्ग ने भी इस बार परिवर्तन के पक्ष में मतदान किया।

दक्षिण की ओर रुख करें तो तमिलनाडु ने पूरे देश को अपनी राजनीतिक परिपक्वता और नए नेतृत्व के प्रति उत्साह से विस्मित कर दिया है। अभिनेता विजय की नवगठित पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने अपने पहले ही चुनाव में जो प्रदर्शन किया है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। तमिलनाडु की राजनीति दशकों से द्रविड़ मुनेत्र कझगम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम जैसी दो पारंपरिक पार्टियों के वर्चस्व में बंधी हुई थी। विजय की पार्टी ने इस द्विपक्षीय चक्र को तोड़कर स्वयं को एक सशक्त विकल्प के रूप में स्थापित किया। आंकड़ों की दृष्टि से देखें तो उनकी पार्टी ने 100 से अधिक सीटों पर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिससे वह राज्य की राजनीति में केवल तीसरी ताकत नहीं, बल्कि एक नई धुरी बनती दिख रही है। यह परिणाम इस बात का संकेत है कि तमिलनाडु का युवा वर्ग अब पुरानी द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक ढांचों से बाहर निकलकर कुछ नया और आधुनिक देख रहा है। विजय ने अपनी रैलियों में जिस तरह से सामाजिक न्याय और सुशासन की बात की, उसने युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले नागरिकों को गहराई से प्रभावित किया। यह बदलाव आने वाले समय में दक्षिण भारत की पूरी राजनीति को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

केरल में भी इस बार परिवर्तन की परंपरा अक्षुण्ण रही। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ ने 10 वर्ष के अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की है। पिछले चुनाव में वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चा यानी एलडीएफ ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर जो इतिहास रचा था, उसे इस बार मतदाताओं ने दोहराने नहीं दिया। केरल के चुनावी इतिहास में यह देखा गया है कि जनता प्रायः हर 5 वर्ष में सरकार बदल देती है, परंतु पिछले कार्यकाल में इस परंपरा के टूटने के बाद यह माना जा रहा था कि वामपंथ की जड़ें और गहरी हो गई हैं। लेकिन 2026 के परिणामों ने सिद्ध कर दिया कि प्रशासनिक थकान और सत्ता के प्रति असंतोष किसी भी शासन के लिए घातक हो सकता है। यूडीएफ की इस जीत में कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपनी पुरानी ताकत को फिर से संकलित किया। अल्पसंख्यकों और बहुसंख्यक समुदाय के बीच एक नए प्रकार के संतुलन और विकास के वादों ने यूडीएफ को पुनः सत्ता की दहलीज तक पहुँचाया। वामपंथी दलों के लिए यह आत्ममंथन का समय है क्योंकि उनका यह गढ़ अब ढह चुका है।

असम की स्थिति इन तीनों राज्यों से बिल्कुल भिन्न रही। यहाँ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की दिशा में जीत दर्ज कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी पकड़ न केवल बनाए रखी, बल्कि उसे और अधिक मजबूत किया। असम का यह परिणाम स्थिरता की मांग को दशार्ता है। जहाँ अन्य राज्यों में परिवर्तन की लहर थी, वहीं असम के मतदाताओं ने मौजूदा नेतृत्व की नीतियों और सुरक्षा संबंधी दृष्टिकोण पर अपना विश्वास जताया। विकास कार्यों की गति और सीमावर्ती मुद्दों पर सरकार की सक्रियता ने जनता के बीच एक सकारात्मक संदेश भेजा। भाजपा के लिए असम पूर्वोत्तर भारत का वह प्रवेश द्वार बना हुआ है, जहाँ से उसकी नीतियां पूरे क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं। यह जीत यह भी दशार्ती है कि यदि नेतृत्व सक्रिय हो और विकास के जमीनी कार्य दिख रहे हों, तो सत्ता-विरोधी लहर का प्रभाव कम किया जा सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर यदि इन चार राज्यों के परिणामों का निचोड़ निकाला जाए, तो कई महत्वपूर्ण संकेत मिलते हैं। मतदाताओं ने इस बार 'परिवर्तन' को एक अनिवार्य आवश्यकता के रूप में देखा है। यह प्रवृत्ति उन राज्यों में अधिक स्पष्ट रही जहाँ सत्ता लंबे समय से एक ही दल के पास थी। भारतीय मतदाता अब बहुत अधिक गतिशील हो गया है। वह केवल पुराने संबंधों या भावनाओं के आधार पर वोट नहीं दे रहा, बल्कि वह परिणामों की समीक्षा कर रहा है। नए नेतृत्व और विकल्पों के लिए खुलापन इस चुनाव की सबसे बड़ी विशेषता रही। तमिलनाडु में विजय की पार्टी का उदय इसका सबसे सटीक उदाहरण है। वहीं दूसरी ओर, जहाँ स्थिरता और सुरक्षा का अनुभव हुआ, वहाँ मतदाताओं ने यथास्थिति को बनाए रखने में संकोच नहीं किया, जैसा कि असम में देखा गया। क्षेत्रीय दलों और राष्ट्रीय दलों के बीच का संतुलन भी बदल रहा है। जहाँ बंगाल में राष्ट्रीय दल ने क्षेत्रीय शक्ति को विस्थापित किया, वहीं तमिलनाडु में एक नई क्षेत्रीय शक्ति ने राष्ट्रीय स्तर के गठबंधनों को चुनौती दी।

इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं और युवाओं की भागीदारी रही। सभी राज्यों में मतदान प्रतिशत में वृद्धि देखी गई, जो लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। डेटा के अनुसार, पश्चिम बंगाल में महिला मतदाताओं का झुकाव इस बार निर्णायक साबित हुआ, जिन्होंने सुरक्षा और रोजगार के मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया। केरल में शिक्षित युवाओं ने भ्रष्टाचार के मुद्दों पर वामपंथ के विरुद्ध मतदान किया। तमिलनाडु में सिनेमाई लोकप्रियता का राजनीतिक प्रभाव एक बार फिर सिद्ध हुआ, लेकिन इस बार इसके पीछे एक व्यवस्थित संगठन और नीतिगत ढांचा भी मौजूद था। यह चुनाव यह भी स्पष्ट करते हैं कि भारत की राजनीति अब अधिक गतिशील और प्रतिस्पर्धात्मक हो रही है। अब कोई भी राजनीतिक किला अभेद्य नहीं रह गया है। मतदाताओं की आकांक्षाएं बढ़ रही हैं और वे अब शासन से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि 2026 के ये चुनाव परिणाम आने वाले 2029 के आम चुनावों के लिए एक बड़ी आधारभूमि तैयार कर रहे हैं। इन परिणामों ने यह संदेश दिया है कि भारतीय राजनीति में नए चेहरों और नए विचारों के लिए पर्याप्त स्थान है। क्षेत्रीय अस्मिता और राष्ट्रीय आकांक्षाओं के बीच एक नया सामंजस्य बनता दिख रहा है। बंगाल की जीत भाजपा के लिए एक बड़ी वैचारिक विजय है, जबकि तमिलनाडु में विजय का उदय द्रविड़ राजनीति के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगाता है। केरल और असम के परिणाम बताते हैं कि सुशासन और विकल्प की उपलब्धता ही सत्ता की कुंजी है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारतीय लोकतंत्र की उस जीवंतता को दशार्ती है, जिसमें जनता ही अंतिम निर्णायक है और उसकी चुप्पी में ही सबसे बड़े परिवर्तन के बीज छिपे होते हैं। 2026 का यह साल भारतीय राजनीतिक इतिहास में एक बड़े प्रस्थान बिंदु के रूप में याद किया जाएगा, जिसने पुराने दिग्गजों को विश्राम दिया और नए नायकों को मंच प्रदान किया।

भिवंडी में जब्त गुटखा चोरी का मामला गरमाया, राष्ट्रवादी पार्टी ने गुटखा जलाकर जताया आक्रोश

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में डंपिंग ग्राउंड से जब्त गुटखा चोरी के मामले ने तूल पकड़ लिया है। एक महीने बाद भी पुलिस जांच पूरी नहीं होने पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के शहर अध्यक्ष प्रवीण पाटिल ने पुलिस पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया है। मंगलवार को आसबीबी स्थित पार्टी कार्यालय के बाहर प्रवीण पाटिल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान गुटखा और प्रतीकात्मक रूप से अमली पदार्थ जलाकर निषेध व्यक्त किया गया। आंदोलन में आमिर फारूखी, फहाद अंजुम, बलबीर सिंह अहलूवालिया, महेश येमुल, शमीम अंसारी, अंजुम शेख, शमीम खान समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। बताते हैं कि 10 अप्रैल की रात को चाविंद्रा स्थित डंपिंग ग्राउंड में पुलिस की क्राइम ब्रांच ने करीब 65 लाख रुपये का जब्त गुटखा नष्ट कर गड्ढे में दबाया था। लेकिन उसी रात वहां से गुटखा चोरी होने का मामला सामने आया, जिसे स्थानीय लोगों की सतर्कता से उजागर किया गया। इस गंभीर घटना के बावजूद अब तक आरोपियों का पता नहीं चल सका है। प्रवीण पाटिल का आरोप है कि भिवंडी गुटखा और नशे के कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। यहां से मुंबई, ठाणे, कल्याण और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सप्लाई की जाती है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन को इस पूरे नेटवर्क की जानकारी होने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विधायक रईस शेख द्वारा विधानसभा में मुद्दा उठाने के बाद कुछ दिनों तक कार्रवाई का दिखावा किया गया, लेकिन बाद में फिर से गुटखा और मादक पदार्थों की बिक्री शुरू हो गई। प्रवीण पाटिल ने राज्य के गृह विभाग और पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के अधीन होने के बावजूद एक महीने में भी इस मामले का खुलासा नहीं होना चिंताजनक है। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर शहर में नाराजगी का माहौल है।

मीरा रोड चाकूबाजी: एटीएस का दावा- आरोपी आईएसआईएस से प्रभावित

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस की आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) ने मीरा रोड चाकूबाजी मामले में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों को लागू किया है, जबकि बचाव पक्ष ने ठाणे की अदालत में बताया कि आरोपी सिजोफ्रेनिया से पीड़ित है। जैब जुबेर अंसारी को सोमवार को अदालत में पेश किया गया, जहां एटीएस अधिकारियों ने न्यायाधीश को सूचित किया कि आतंकवादी कृत्यों के लिए सजा से संबंधित यूएपीए की धारा 16 लागू की गई है। इससे पहले आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत हत्या के प्रयास, हथियार से गंभीर चोट पहुंचाने और धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने का मामला दर्ज किया गया था।

जांचकर्ताओं के अनुसार, अंसारी ने कथित तौर पर पिछले सप्ताह मीरा रोड के नयानगर स्थित एक निर्माण स्थल पर दो सुरक्षा गार्डों पर हमला किया।

पुलिस ने बताया कि उसने गार्डों से उनके धर्म के बारे में पूछा और उन्हें कलमा पढ़ने के लिए कहा। जब वे ऐसा करने में विफल रहे, तो उसने कथित तौर पर चाकू से उन पर वार किया।

जांचकर्ताओं ने बताया कि अंसारी के आवास और उपकरणों से बरामद सामग्री की जांच चरमपंथी प्रचार से संभावित संबंधों के लिए की जा रही है। अधिकारियों ने अदालत को बताया कि उसके उपकरणों में आईएसआईएस सीरिया से संबंधित वीडियो और इसी तरह की सामग्री मिली है।

मीरा भायंदर नगर निगम जल आपूर्ति एवं सीवरेज विभाग के अपील

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर के सभी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि मीरा भायंदर नगर निगम क्षेत्र में जल आपूर्ति एसटीईएम प्राधिकरण तथा महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) के माध्यम से की जाती है। अल नीनो के प्रभाव एवं आयोडीन प्रदूषण (आईओडी) के कारण इस वर्ष मानसून में देरी की संभावना जताई गई है। दिनांक 23/04/2026 को जल संसाधन विभाग के साथ आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, भविष्य में संभावित जल संकट को देखते हुए जल आपूर्ति में कमी करने का निर्णय लिया गया है। जल आपूर्ति बंद रहने का समय (एमआईडीसी - 12वां जल शोधन केंद्र, जांभुल)

07 मई 2026 (गुरुवार) दोपहर 12:00 बजे से
08 मई 2026 (शुक्रवार) दोपहर 12:00 बजे तक
21 मई 2026 (गुरुवार) दोपहर 12:00 बजे से
22 मई 2026 (शुक्रवार) दोपहर 12:00 बजे तक

इस दौरान एमआईडीसी की जल आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। हालांकि, एसटीईएम प्राधिकरण द्वारा जल आपूर्ति जारी रहेगी। महत्वपूर्ण सूचना एमआईडीसी की आपूर्ति बंद रहने के कारण शहर में पानी का दबाव कम रहेगा जल आपूर्ति में देरी हो सकती है नागरिकों से अपील सभी नागरिकों से अनुरोध है कि: पानी का संयमित एवं सावधानीपूर्वक उपयोग करेंजल संरक्षण में नगर निगम का सहयोग करें।

TATA.ev ने 16.99 लाख रुपये में Curvv.ev Series लॉन्च की

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी 4-व्हीलर EV मैन्युफैक्चरर, TATA.ev ने आज नई Curvv.ev Series पेश की- दो लंबी रेंज, फीचर-रिच और प्रीमियम पसोनों जो उन कस्टमर्स के लिए बनाई गई हैं जो एक ऐसी स्वच चाहते हैं जो कॉन्फिडेंस के साथ लंबी दूरी तक चल सके। रुपये16.99 लाख की आकर्षक कीमत से शुरू होने वाली, Curvv.ev SeriesX में दो वेरिएंट होंगे – Accomplished X 55 और Empowered X 55U पैलेट को पांच कलर ऑप्शन तक बढ़ाते हुए, Curvv.ev Series आइकॉनिक #DARK एडिशन के अलावा एक शानदार नए नाइट्रो क्रिमसन कलर में भी उपलब्ध होगी। बोल्ड और शानदार स्वच-कूप स्टाइल के साथ, Curvv.ev Series को ग्राहकों की रोजाना की जरूरतों के हिसाब से सोच-समझकर बनाया गया है। असल जिंदगी में C75 रेंज ~400 km और ARAI सर्टिफाइड (P1+P2) रेंज 502 kms** के साथ, Curvv.ev Series एक कॉन्फिडेंट इंटरसिटी कार है जो स्मार्ट टेक्नोलॉजी और जबरदस्त परफॉर्मेंस के साथ रोजाना आराम देती है। लाइफटाइम HV बैटरी वारंटी के साथ, नई SeriesX की वेरिएंट्सहै Curvv.ev लाइनअप को साफ तौर पर बताए गए, फीचर से भरपूर ऑप्शन में आसान बनाती हैं जो ज्यादा वैल्यू देते हैं, जिससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी रोमांचक, भरोसेमंद और सच में चिंता-मुक्त बनती है। बढ़ें में एक्स-शोरूम कीमत के अनुसार, पसोनों Accomplished X 55 की कीमत रुपये16.99 लाख है। वहीं, Empowered X 55 वेरिएंट रुपये19.19 लाख में उपलब्ध है, जबकि इसके #DARK एडिशन की कीमत रुपये19.49 लाख रखी गई है।

नई Curvv.ev Series पसोनों पेश करते हुए, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर विवेक श्रीवत्स ने कहा, हम हमारी ओर से पेश कर नई एज के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को ज्यादा सुलभ और फायदेमंद बनाने की कोशिश करते हैं।

एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन ने की AONSAT 2026 की घोषणा

मुंबई। भारत के अग्रणी ऑनलाइन विश्वविद्यालयों में से एक, Amity University Online ने Amity Online National Scholarship Aptitude Test (AONSAT) 2026 की शुरुआत की घोषणा की है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यह अपनी तरह की एक अनूठी पहल है। AONSAT को पूरे देश में शैक्षणिक क्षमता की पहचान करने और योग्यता-आधारित स्कॉलरशिप मॉडल के जरिए उच्च शिक्षा तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

रविवार, 10 मई 2026 को आयोजित किया जाने वाला पहला AONSAT स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों के लिए अधिक सुलभ, महत्वाकांक्षी और अवसर प्रदान करने वाला भविष्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आज के छात्र अपने शिक्षा के विकल्पों में अधिक लचीलापन, सामर्थ्य और मूल्य की तलाश कर रहे हैं। इसलिए, AONSAT को एक बड़े स्तर की स्कॉलरशिप पहल के रूप में तैयार किया गया है, जो पारंपरिक प्रवेश प्रक्रिया से कहीं आगे जाती है।

इस पहल का उद्देश्य एक पारदर्शी, ऑनलाइन-निगरानी वाला और योग्यता-आधारित प्रतिस्पर्धी मंच बनाकर, योग्यता को शुरू में ही पहचानना और योग्य छात्रों को उनके शैक्षणिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए, मजबूत वित्तीय सहायता तक पहुंच प्रदान करना है।

लॉन्च के इस मौके पर, एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन के चेयरमैन, श्री अजीत चौहान ने कहा, आज उच्च शिक्षा को सिर्फ.शिक्षा के नए द्वार खोलने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

कल्याण में एंटी नारकोटिक्स सेल की बड़ी कार्रवाई

- 21 लाख रुपये का 107 किलो गांजा जब्त, 3 तस्कर गिरफ्तार
- तीनों शातिर अपराधी, पहले भी दर्ज हैं कई मामले

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण की अमली पदार्थ विरोधी पथक (एंटी नारकोटिक्स सेल) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 21 लाख 40 हजार रुपये कीमत का 107 किलो गांजा जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में 3 तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम वसीम खान उर्फ पिला, दिनेश कुमार और मोहित वर्मा बताए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, खडकपाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त होने की गुप्त सूचना एंटी नारकोटिक्स टीम को मिली थी। सूचना के आधार पर सहायक पुलिस निरीक्षक अनिल गायकवाड़ और उपनिरीक्षक जितेंद्र ठोके के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वाडेघर परिसर स्थित वाडेकर डम्पिंग ग्राउंड के पास जाल बिछाया। इस दौरान वहां संदिग्ध गतिविधियां करते हुए 3 युवक दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोककर पूछताछ की तो उनके पास हरे और सफेद रंग की बोरियां मिलीं, जिससे शक और गहरा गया। जांच के दौरान तीनों आरोपियों ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें दबोच लिया।

तलाशी में उनके पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 107 किलो और कीमत 21.40 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि तीनों आरोपी शातिर अपराधी हैं और इनके खिलाफ पहले भी मादक पदार्थ तस्करी के मामले दर्ज हैं। पुलिस को शक है कि इस मामले के पीछे एक बड़ा रैकेट सक्रिय है। कल्याण के पुलिस उपायुक्त Atul Zende ने बताया कि यह गांजा कहां से लाया गया, किसे सप्लाई किया जाना था और इसके पीछे मुख्य सरगना कौन है, इसकी गहन जांच की जा रही है।

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया का इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के साथ लौटा

मुंबई/पटना। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया का सबसे पसंदीदा और बहुप्रतीक्षित डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर अपने शानदार सीजन 5 के साथ लौट रहा है। इस बार मंच पर जज के रूप में होंगे जावेद जाफरी, करिश्मा कपूर, गीता कपूर और टेरेंस लुईस। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होने वाला यह सीजन इंडिया वाला डांस का जश्न मनाएगा और दर्शकों को नॉस्टैल्जिया का अहसास कराएगा। इस बार मंच पर बॉलीवुड डांस स्टाइल्स और मशहूर गानों पर आधारित विविध डांस फॉर्म्स पेश किए जाएंगे। शो के होस्ट के रूप में हर्ष लिम्बाचिया भी वापसी कर रहे हैं। इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 असल में टैलेंट, इंडिविजुअलिटी और डांस की असली रूह का उत्सव है। तकनीकी महारत, भावनात्मक समझ और स्टार पावर का परफेक्ट मिश्रण लेकर आया है सीजन 5 का जज पैनल। यह पैनल दर्शकों को एक शानदार और बेहद दिलचस्प अनुभव देने का वादा करता है। हर जज अपनी अलग सोच और नजरिए के साथ परफॉर्मेंस को परखेंगे सिर्फ. स्किल पर नहीं, बल्कि एक्सप्रेशन और ओरिजिनलिटी पर भी। सीजन 5 में देशभर से आए डांसर्स को एक नए अंदाज में पेश किया जाएगा। कंटेस्टेंट्स अपने-अपने स्टाइल और डांस फॉर्म्स के जरिए इंडिया वाला डांस की अपनी अनोखी व्याख्या मंच पर दिखाएंगे। करिश्मा कपूर ने अपनी खुशी जताते हुए कहा, इस मंच पर लौटना मेरे लिए घर लौटने जैसा है। हर डांसर जो इस प्लेटफॉर्म पर कदम रखता है, वह अपनी आत्मा का एक हिस्सा और हमारी संस्कृति का रंग लेकर आता है। मैं फिर से उनकी पैशन से प्रभावित होने के लिए तैयार हूं। जावेद जाफरी ने कहा, एक दशक बाद इस सीट पर लौटना सही लगता है, खासकर जब हम इंडिया वाला डांस का जश्न मना रहे हैं। मैं सिर्फ.परफेक्ट स्टेप्स नहीं देख रहा हूं, बल्कि वो रॉ एनर्जी और यूनिक पर्सनैलिटी चाहता हूं जो नजरें हटाने ही न दे।

एसी लोकल ट्रेन की छत पर चढ़ा नशेड़ी युवक, विठ्ठलवाडी से कल्याण तक मचा हड़कंप

- रेलवे पुलिस की हिरासत में तांडव मचाने वाला नशेड़ी युवक

कल्याण (उत्तरशक्ति)। मंगलवार 5 मई 2026 को विठ्ठलवाडी से कल्याण के बीच एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई, जब एक नशे की हालत में युवक एसी लोकल ट्रेन की छत पर चढ़ गया। इस घटना से रेलवे प्रशासन और यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, दोपहर 2:03 बजे चल रही एसी लोकल ट्रेन विठ्ठलवाडी स्टेशन पर पहुंची, तभी एक युवक अचानक ट्रेन की छत पर चढ़ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक नशे की हालत में था। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और रेलवे स्टाफ ने उसे नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन उसने किसी की बात नहीं मानी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रेन को सावधानीपूर्वक कल्याण स्टेशन तक लाया गया। इस दौरान यात्रियों में डर और तनाव का माहौल बना रहा। कल्याण स्टेशन पहुंचने के बाद रेलवे कर्मचारियों और पुलिस ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब 2 से 3 स्ट्रेचर हमाल ट्रेन की छत पर चढ़े और लगभग 2:50 बजे युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। इसके बाद उसे तुरंत रेलवे पुलिस के हवाले कर दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम के चलते करीब 45 मिनट तक ट्रेन सेवा प्रभावित रही। एसी लोकल काफी देर तक स्टेशन पर खड़ी रही, जिससे अन्य ट्रेनों की आवाजाही भी बाधित हुई और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। फिलहाल रेलवे पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है।

ग्रासरूट्स से प्रभाव तक: न्यूजमेकर्स अचीवर्स अवॉर्ड्स 2026 में सामाजिक परिवर्तनकर्ताओं का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। 18वें न्यूजमेकर्स अचीवर्स अवॉर्ड्स 2026 के दौरान, जिसका आयोजन वैदेही तामन द्वारा किया गया, विभिन्न क्षेत्रों के उत्कृष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस भव्य समारोह की एक विशेष झलक उन व्यक्तियों और संगठनों का सम्मान रही, जो जमीनी स्तर पर सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

मुंबई में आयोजित इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर ऐसे प्रभावशाली कार्यों को मंच मिला, जो अक्सर मुख्यधारा की चर्चा से दूर रहते हुए भी समाज में स्थायी बदलाव ला रहे हैं।

इस समारोह में राज्यपाल ने ऊषा मंगेशकर, हरिहरन संजीव कपूर, राही भिडे, सुषमा देशपांडे और दत्ता बरगे जैसे विशिष्ट व्यक्तित्वों को उनके असाधारण योगदान और आजीवन उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया।

इसके अलावा, दिलीप जोशी, अतुल तिवारी, पूजा बेदी, देविंदर वाल्मीकि, विजय कुंभकार, अनुजा धाक्रस, अज्जीबाईची शाळा और आईएएफएस अधिकारी लेफ्टिनेंट कुशाग्र पाठक जैसे कई अन्य प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया, जो मनोरंजन, रंगमंच, वेलनेस, खेल, पारदर्शिता, पत्रकारिता, सामाजिक शिक्षा और वन्यजीव संरक्षण जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अपने विचार साझा करते हुए वैदेही तामन ने कहा, यह मंच केवल सफलता का नहीं, बल्कि दृढ़ता, ईमानदारी और योगदान की भावना का सम्मान करता है। प्रत्येक पुरस्कार विजेता एक ऐसी यात्रा का प्रतिनिधित्व करता है, जो समाज को उद्देश्यपूर्ण उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करती है।

सामाजिक क्षेत्र में सम्मानित प्रमुख नामों में सेवा विवेक संस्था शामिल रहा, जिसे सामुदायिक कल्याण और जमीनी विकास में निरंतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया। संस्था के एक प्रतिनिधि ने कहा, यह सम्मान हमारे हर स्वयंसेवक और लाभार्थी का है, जो हमारी इस यात्रा का हिस्सा रहे हैं। हमारा काम हमेशा सामूहिक प्रयास और सामुदायिक शक्ति पर आधारित रहा है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक्सिस निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स फंड लॉन्च किया

मुंबई/पटना। एक्सिस म्यूचुअल फंड, जो भारत की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक है, ने अपने नए फंड ऑफर- एक्सिस निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स फंड -के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है, जिसे निफ्टी कैपिटल मार्केट्स टोटल रिटर्न इंडेक्स (टीआरआई) को ट्रैक करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह निवेशकों को भारत के तेजी से विकसित हो रहे पूंजी बाजार इकोसिस्टम में लक्षित निवेश का अवसर प्रदान करता है। यह एनएफओ 4 मई 2026 से खुलकर 15 मई 2026 को बंद होगा। फंड का उद्देश्य खर्चों से पहले ऐसे रिटर्न प्रदान करना है, जो निफ्टी कैपिटल मार्केट्स टीआरआई के प्रदर्शन के अनुरूप हों, हालांकि इसमें ट्रैकिंग एरर हो सकता है। पिछले एक दशक में भारत के पूंजी बाजारों में संरचनात्मक बदलाव आया है, जिसे बचत के वित्तियकरण, मजबूत घरेलू भागीदारी और तेज डिजिटलाइजेशन ने बढ़ावा दिया है। आने वाले वर्षों में भारत के वैश्विक अर्थव्यवस्था में अग्रणी बनने के साथ, बढ़ती आय और औपचारिक अर्थव्यवस्था के विस्तार से वित्तीय बचत का दायरा भी बढ़ रहा है। रिटेल निवेशकों की बढ़ती भागीदारी, डीमैट खातों में तेजी से वृद्धि और म्यूचुअल फंड्स में निवेश का विस्तार बाजार की गहराई और मजबूती को दर्शाता है।

गुंडो ने रात को आटा चक्की में घुसकर की मारपीट और चोरी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के साईबाबा नगर इलाके में एक आटा चक्की के अंदर सोए हुवे युवक को जबरन ताला खोलने को कहा गया ताला खोलने के बाद उससे मारपीट कर के साथ पैसों की चोरी किये जाने की घटना हुई है। इस घटना में एक युवक घायल हो गया, जिसके बाद उसने कोलसेवाडी पुलिस स्टेशन में मारपीट और चोरी शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़ित अवनीश दयानंद पांडे (25) ने बताया कि वह पिछले करीब तीन महीने से साई दर्शन फ्लोर मिल में काम कर रहा है और उसी जगह पर रह भी रहा था। घटना 3 मई की सुबह करीब 3.40 बजे की है, जब वह और उसका दोस्त रामबाबू मौर्य चक्की में सो रहे थे।

शिकायत के अनुसार, इसी दौरान कुछ लोग शटर जोर जोर से बजाने लगे। जब पीड़ित ने शटर खोला तो उसके परिचित का आकाश पांडे और प्रदीप पांडे अपने दो अन्य साथियों के मिलकर बिना किसी कारण के लाठी-डंडों से मारपीट की।

पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने उसके पेट और हाथ पर वार किया, साथ ही आटा चक्की में लगा मोटर कवर और सीलिंग फैन तोड़ दिया, और चक्की में कमाई का पैसा भी चोरी कर वहां से सभी फरार हो गये। घटना के बाद कोलसेवाडी पुलिस स्टेशन पहुंचा, जहां से उसे पहले इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इलाज और एक्स-रे के बाद शिकायत दर्ज किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

भिवंडी में करिश्मा कुदरत का, आम के पेड़ पर आया सीताफल का फल, देखने वालों की उमड़ी भीड़

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में करिश्मा कुदरत का देखने को मिला जहां आम के पेड़ में सीताफल का फल लगने का चमत्कार हुआ है जैसे कि देव की करणी, नारियल में पानी कहावत तो आपने सुनी होगी, लेकिन भिवंडी तालुका में सामने आया यह नजारा लोगों को और भी ज्यादा हैरान कर रहा है। यहां एक आम के पेड़ पर सीताफल का फल लगने की घटना ने पूरे इलाके में कौतूहल पैदा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, भिवंडी-वाडा रोड स्थित दुगाड फाटा के पास साईगांव असनोली में व्यवसायिक किसान जयेश पटेल के घर के आंगन में करीब आठ साल पहले लगाया गया आम का पेड़ है। आम के मौसम में जब पेड़ पर आम लगे हुए थे, तभी 2 मई को पेड़ के नीचे खेल रहे बच्चों की नजर अचानक एक अजीब फल पर पड़ी। पास जाकर देखने पर पता चला कि वह फल सीताफल जैसा दिखाई दे रहा है।

बच्चों ने यह बात अपने पिता जयेश पटेल और दादी जयाबेन पटेल को बताई। पहले तो उन्होंने इसे मजाक समझकर नजरअंदाज कर दिया, लेकिन जब खुद जाकर देखा तो वे भी हैरान रह गए। आम के पेड़ पर सीताफल जैसा फल लगा हुआ था। देखते ही देखते यह खबर आसपास के इलाकों में फैल गई और इस चमत्कार को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंचने लगे। स्थानीय लोगों ने कई बार पेड़ का निरीक्षण किया और यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि कहीं यह किसी प्रकार का कलम (ग्राफ्टिंग) या कृत्रिम रूप से चिपकाया गया फल तो नहीं है। हालांकि किसान जयेश पटेल का कहना है कि उन्होंने पेड़ पर कोई भी कलम या कृत्रिम तरीका इस्तेमाल नहीं किया है। उनके अनुसार, यह पूरी तरह से प्राकृतिक घटना है। इस अनोखी घटना ने क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया है और लोग इसे प्रकृति का अद्भुत चमत्कार मान रहे हैं।

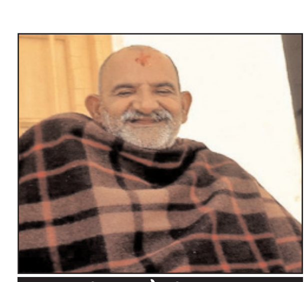

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हा. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जालौन के 4 पुलिसकर्मियों समेत 5 की मौत

◆ एक्सप्रेस-वे पर भीषण हुआ हादसा

डॉ.आबिद खान

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। नूंह, हरियाणा के नूंह जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश के जालौन जनपद के चार पुलिसकर्मियों सहित कुल पांच लोगों की मौत हो गई। यह हादसा कुंडली-मानेसर-पलवल (KMP) एक्सप्रेस-वे पर धुलावट टोल प्लाजा के पास करीब साढ़े 10 बजे हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतकों में दो दरोगा, दो सिपाही और एक वाहन चालक शामिल हैं। सभी पुलिसकर्मी अपहरण के एक मामले में दबिश देने हरियाणा गए थे और कार्रवाई के बाद वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्कॉर्पियो वाहन चालक ने एक्सप्रेस-वे पर ओवरटेक करने का प्रयास किया, इसी दौरान वाहन अनियंत्रित हो गया और आगे चल रही गाड़ी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोग बुरी तरह फंस गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत-बचाव टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद सभी को वाहन से बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान दरोगा मोहित यादव, दरोगा सत्यमान, सिपाही अशोक और सिपाही प्रदीप के रूप में हुई है, जो जालौन के उरई कोतवाली में तैनात थे। वाहन चालक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

मुख्य बिंदुः ◆ KMP एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा ◆ जालौन के 4 पुलिसकर्मियों समेत 5 की मौत ◆ अपहरण मामले में दबिश देकर लौट रहे थे पुलिसकर्मी ◆ ओवरटेक के दौरान अनियंत्रित हुआ वाहन ◆ पुलिस जांच जारी।

अब BHU-SGPGI-KGMU जाने की मजबूरी खत्म

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में जटिल सर्जरी की बड़ी सफलता

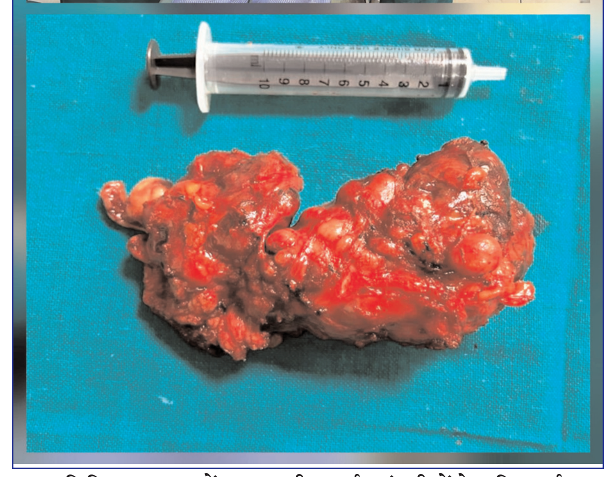

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के शल्य चिकित्सा विभाग में एक जटिल एवं चुनौतीपूर्ण सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की गई। 24 वर्षीय महिला मरीज के बाएं स्तन में लगभग 10 . 4 सेमी आकार के बड़े फाइलॉइड ट्यूमर (Phylloid Tumor) का सफल ऑपरेशन किया गया।

इस जटिल सर्जरी को जनरल सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 ए. ए. जाफरी एवं उनके सर्जिकल टीम के सदस्य डॉ. इमरान तथा डॉ. नाज़िया द्वारा अत्यंत दक्षता एवं समर्पण के साथ संपन्न किया गया, जिसमें जूनियर रेजिडेंट डॉ. अली हैदर एवं डॉ. राजन्य प्रजापति का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ऑपरेशन के दौरान मरीज को सामान्य एनेस्थीसिया (General Anaesthesia) के अंतर्गत सुरक्षित रूप से लाया गया, जिसका सफल संचालन एनेस्थीसियोलॉजी विभाग के डॉ. आदर्श कुमार यादव द्वारा किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में नर्सिंग स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें मीना, अनुज, इंदु यादव एवं उपासना ने उत्कृष्ट सहयोग प्रदान किया। साथ ही सहायक स्टाफ प्रेम चंद, पंकज यादव, अभिषेक एवं अन्य सहयोगियों का योगदान भी अत्यंत सराहनीय रहा।

इस प्रकार की उन्नत एवं जटिल सर्जरी की सुविधा अब उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में उपलब्ध होने से मरीजों को अत्यधिक लाभ मिलेगा। पूर्व में ऐसे मामलों में मरीजों को बीएचयू (BHU), एसजीपीजीआई (SGPGI) एवं केजीएमयू लखनऊ (KGMU Lucknow) जैसे बड़े संस्थानों में लंबी प्रतीक्षा सूची का सामना करना पड़ता था, जिससे समय, आर्थिक संसाधनों एवं मानसिक तनाव की अतिरिक्त समस्या उत्पन्न होती थी। अब यह सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से मरीजों को त्वरित, सुलभ एवं उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवा प्राप्त हो सकेगी।

महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो0 आर. बी. कमल ने इस सफल ऑपरेशन के लिए पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि संस्थान की उन्नत चिकित्सा क्षमताओं, उत्कृष्ट टीम वर्क एवं मरीजों के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि भविष्य में भी संस्थान में इसी प्रकार की आधुनिक एवं उच्चस्तरीय चिकित्सा सेवाएं निरंतर विकसित की जाती रहेंगी, जिससे क्षेत्रीय जनता को अधिकतम लाभ मिल सके।

चाकू से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने बरामद किया हथियार

मो.इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना फूलपुर क्षेत्र में हुई चाकूबाजी की घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद क्षेत्र में फैली दहशत के बीच पुलिस की सक्रियता से मामले का शीघ्र खुलासा हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना फूलपुर पुलिस को जैसे ही चाकू से हमला किए जाने की सूचना मिली, तत्काल टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई। पुलिस ने प्रभावी घेराबंदी करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसे न्यायालय भेजने की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, घटना के पीछे के कारणों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आमजन से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए आश्वासन दिया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

वाराणसी के फूलपुर के करखियांव में बदमाशों और पुलिस में मुठभेड़ में दो हुए घायल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में फूलपुर के मनीष सिंह हत्याकांड में फरार चल रहे 50-50 हजार के इनामी बदमाश मनीष राजभर और आशीष राजभर को वाराणसी पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दौड़ाकर मारी गोली, पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास कर रहे दोनो बदमाशों के पैर में लगी गोली बदमाशों के आने की सूचना पर वाराणसी एसओजी प्रभारी गौरव कुमार सिंह और फूलपुर थाना प्रभारी अतुल कुमार सिंह की टीम ने घेराबंदी धर दबोचा। जिसमें फूलपुर इंस्पेक्टर अतुल कुमार सिंह और एसओजी प्रभारी गौरव कुमार सिंह का अथक प्रयास रंग लाई।

पिछले दिनों दोनो जांबाज दो अलग अलग जगह पब्लिक का सामना करते हुए अपने को उनके चंगुल से बचाये और आज इन्ही दोनो ने 50-50 हजारी दो हत्यारोपियों को मुठभेड़ में गोली मारने का काम किया।

मृत दूल्हे आजाद बिंद के घर पहुंचा कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधिमंडल

सदर के पूर्व विधायक नदीम जावेद ने परिजनों को पचास हजार रुपए की दी आर्थिक सहायता

डॉ.इम्तियाज अहमद

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीते दिनों खेतासराय के पास दूल्हे आजाद बिंद की हत्या हो जाने की सनसनीखेज घटना से कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधिमंडल बडउर गांव में पहुंच कर पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान जौनपुर सदर के पूर्व विधायक एवं कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता नदीम जावेद ने प्रतिनिधि मंडल के द्वारा दिवंगत आजाद बिंद के पीड़ित परिवार को पचास हजार रुपये की नगद आर्थिक सहायता उपलब्ध कराते हुए परिजनों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने पूर्व विधायक नदीम जावेद की बात मोबाइल फोन से पीड़ित परिजनों से कराई। परिजनों से बात करने के उपरांत कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि प्रदेश में कानून का भय समाप्त है गया है, अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं, जंगलराज जैसी परिस्थिती बन गयी है। डा. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि बुलडोजर के नाम से भय दिखाने वाली योगी आदित्यनाथ की सरकार में अपराधियों का बोलबाला हो गया है। विवाह के लिए जा रहे दूल्हे की दिनदहाड़े हत्या सरकार की पोल खोल दे रही है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने प्रसाशन से मांग करते हुए कहा कि निष्पक्ष रूप से अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए परिजनों को अविलंब न्याय दिलाया जाय। कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल में जिला उपाध्यक्ष लाल प्रकाश पाल,सभासद शहनवाज मंजूर, दिनेश तिवारी, जय मंगल यादव, जयप्रकाश मिश्रा, सद्दाम प्रधान,राजकुमार गुप्ता, इकबाल हुसैन, मुहम्मद ताहिर, आदिल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बड़े घटना का इन्तजार कर रहा बिजली विभाग

जफराबाद टैक्सी स्टैण्ड पर तेज आंधी-तूफान के कारण जर्जर पिद्युत खंभा टूटकर सड़क की तरफ झुका

रियाजुल हक

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पांच-छः दिन पूर्व आई तेज आंधी-तूफान के कारण नगर पंचायत जफराबाद के टैक्सी स्टैंड के पास लबे रोड स्थित विद्युत खंभा जर्जर होने के कारण टूट कर आधा सड़क की ओर झुक गया है। उक्त मामले की जानकारी स्थानीय लोगो द्वारा संविदा कर्मचारी को दिया गया और लाइन मैन द्वारा मौके का वीडियो भी बनवाया गया परन्तु अभी तक कोई कार्यवाही न होने अर्थात उक्त टूटे हुए जर्जर खंभे के स्थान पर नया विद्युत खंभा बिजली विभाग द्वारा न लगवाये जाने के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि विद्युत विभाग अभी किसी बड़े घटना का इन्तेजार कर रहा है। बिजली विभाग द्वारा अभी तक जर्जर खंभा न बदले जाने से लोगों में आक्रोश है। आपको बताते चले कि उक्त बिजली खंभा जहां पर स्थित है वहां आसपास देशी व विदेशी दारू की दुकान एवं टैक्सी स्टैण्ड होने के कारण हमेशा लोगों की भीड़ रहती है। यदि समय रहते बिजली विभाग द्वारा पुराने टेढ़ हुए जर्जर खंभे के स्थान पर अतिशीघ्र नया विद्युत खंभा नहीं लगवाया गया तो कभी भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है, जिसके जिम्मेदार विद्युत विभाग के अधिकारी स्वयं होंगे।

बिजली विभाग द्वारा अभी तक जर्जर खंभा न बदले जाने से जनता में आक्रोश

नवागत जिलाधिकारी ने संभाला कार्यभार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में नवागत जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन० ने आज अपना कार्यभार विधिवत रूप से ग्रहण कर लिया। इस दौरान उन्होंने कोषागार कार्यालय पहुंचकर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं। कार्यभार संभालने के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना उनकी प्राथमिकता होगी। साथ ही, उन्होंने आश्वासन दिया कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, वरिष्ठ कोषाधिकारी समेत कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से साइकिल सवार की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सरोखनपुर गांव में मंगलवार सुबह ट्रक की चपेट में आने से साइकिल सवार एक अधेड़ व्यक्ति की जान चली गई। मिली जानकारी के अनुसार, मेड़हा निवासी संदीप बरनवाल (पुत्र अशोक बरनवाल) अपनी साइकिल से कहीं जा रहे थे, तभी एक अज्ञात तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि संदीप की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल के मर्चरी हाउस भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त होने के बाद उनके परिवार में मातम पसर गया है। पुलिस फिलहाल फरार ट्रक और उसके चालक की तलाश में सीसीटीवी कैमरे की मदद से जुट गई है।

करोड़ों की धोखाधड़ी कर युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने वाला आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना कैंट पुलिस ने करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी कर एक युवती को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी सूरज कुमार (32) निवासी इंद्रा चौक, बेतिया (पश्चिमी चंपारण, बिहार) को मंगलवार दोपहर फुलवरिया क्षेत्र स्थित डीएम कंपाउंड के पास से गिरफ्तार किया गया।मामला 16 अप्रैल 2026 का है, जब वादिनी ने थाना कैंट में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी बहन को आरोपीगण द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था, जिससे आहत होकर उसने आत्महत्या कर ली। इस संबंध में सूरज कुमार समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि मामले में एक अन्य आरोपी विष्णु जायसवाल को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में थाना कैंट प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत मिश्र के नेतृत्व में उपनिरीक्षक शान्तनु मिश्रा आदि शामिल रहे।

अजय राय के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना से कांग्रेसियों ने किया हवन पूजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की तबियत अत्यंत खराब हो जाने से लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। अजय राय के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना से कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा.प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारियों ने मंगलवार को पतहना गांव में ब्राह्मण यजमानों के द्वारा वैदिक मंत्रों से हवन पूजन कर अजय राय के स्वास्थ्य के लिए इश्वर से प्रार्थना किया। हवन कराने वाले विद्वान पंडित जयप्रकाश मिश्र व पं. गोविन्द उपाध्याय ने मंत्रोच्चार के साथ हवन कुंड में आहुतियां दिलाई। इस मौके पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान, पंडित दिनेश तिवारी, लाल प्रकाश पाल, शहनवाज मंजूर, इरशाद खान, सद्दाम प्रधान, राजकुमार गुप्ता, जय मंगल यादव, इकबाल हुसैन, मु ताहिर सहित अन्य लोगो ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के स्वास्थ्य के लिए भगवान से प्रार्थना किया।

शोक संवेदना व्यक्त करने प्रयागराज पहुंचे कृपाशंकर सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व सांसद प्रो० रीता बहुगुणा जोशी के पति पी०सी० जोशी के आकस्मिक निधन की सूचना अत्यंत मर्माहत करने वाली थी। सूचना मिलते ही महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं जौनपुर लोकसभा के प्रत्याशी रहे कृपाशंकर सिंह तुरंत मुंबई से प्रयागराज की फ्लाइट न मिलने पर वो वाराणसी पहुंचे। वहां से जौनपुर पहुंच रात्रि विश्राम किया। मंगलवार की सुबह जौनपुर से प्रयागराज सीधे रीता बहुगुणा जोशी के आवास पहुंचकर अंत्येष्टि कार्यक्रम में सम्मिलित होकर शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान कृपाशंकर सिंह को अपने बीच पाकर प्रो रीता बहुगुणा जोशी भावुक हो गईं। कृपाशंकर सिंह ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल बनाए रखने की बात कही। उन्होंने बताया कि पीसी जोशी एक शिक्षाविद् और मैकेनिकल इंजीनियर थे। उन्होंने मॉस्को की पैट्रिस लुमुम्बा यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की थी। राजनीति से दूर रहने वाले जोशी जी पेशे से प्रोफेसर थे और शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहे। वे अपनी सरलता, अनुशासन और परिवार के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते थे। रीता बहुगुणा जोशी राजनीतिक परिवार से ही संबंध रखती हैं, उनके पिता एच. एन. बहुगुणा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। वे खुद कई बार सांसद और मंत्री भी रहीं। इस दौरान शोक संवेदना व्यक्त करने वाले में पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्यामराज सिंह भी रहे।

शिक्षामित्रों को मिला सम्मान, बढ़ा मानदेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षामित्र सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षामित्र, शिक्षकगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव, विशिष्ट अतिथि सीमा द्विवेदी, तथा बृजेश सिंह 'प्रिंशु' सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस दौरान लखनऊ से आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया और उनके उद्बोधन को सुना गया। समारोह में बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण हो गया।

मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव ने शिक्षामित्रों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए मानदेय बढ़ाने का निर्णय लिया है। साथ ही उन्हें चिकित्सकीय कैशलेस सुविधा से जोड़ने की पहल भी की जा रही है।

राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि यह दिन शिक्षामित्रों के सम्मान का दिन है और शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता के लिए डीबीटी प्रणाली लागू की गई है। वहीं एमएलसी बृजेश सिंह 'प्रिंशु' ने कहा कि शिक्षामित्र प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं और सरकार उनके हितों के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान आठ शिक्षामित्रों को प्रतीकात्मक रूप से ?18,000 का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। अन्य शिक्षामित्रों ने भी मानदेय वृद्धि पर खुशी जताते हुए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

अंत में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागीय स्टॉल भी लगाए गए, जिनका अतिथियों ने अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की।

मछलीशहर में रसोई गैस की हाहाकार, घंटों लाइन के बाद भी सैकड़ों उपभोक्ता खाली हाथ लौटे

अरशद अली

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के मछलीशहर क्षेत्र में रसोई गैस (एलपीजी) की भारी किल्लत ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच उपभोक्ताओं को घंटों लाइन में लगने के बावजूद गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है।

मछलीशहर-सुजानगंज रोड स्थित शंकर गैस एजेंसी (एचपी गैस) पर मंगलवार को हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए। सुबह 4 बजे से ही महिलाओं और पुरुषों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं, लेकिन दोपहर 3 बजे तक इंतजार करने के बाद भी 300 से अधिक उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ा।

उपभोक्ताओं का आरोप है कि गैस बुकिंग के 20 से 30 दिन बाद भी सिलेंडर की डिलीवरी नहीं हो रही है। कई बार एजेंसी पर भीड़ इतनी बढ़ जाती है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ता है।

तेज गर्मी के कारण पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, बावजूद इसके ग्रामीण इलाकों से आए लोग घंटों धूप में खड़े रहने को मजबूर हैं। एजेंसी पर न तो बैठने की समुचित व्यवस्था है और न ही पीने के पानी की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध है।

शादी-विवाह के सीजन के चलते गैस की मांग में और इजाफा हुआ है, जिससे स्थिति और भी विकट हो गई है। कई घरों में खाना बनाने के लिए गैस न होने से चूल्हे ठंडे पड़ने लगे हैं।

स्थानीय लोगों की मांगः उपभोक्ताओं ने जिला प्रशासन से तत्काल गैस आपूर्ति सुचारु कराने, अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध कराने और एजेंसी पर बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग की है।

2027 में 300+ सीटों के साथ यूपी में समाजवादी गठबंधन की सरकार बनेगीः मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने पाँच राज्यों में हुए उपचुनावों के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा की 'अजेय' छवि अब कमजोर पड़ चुकी है और देश के कई हिस्सों में जनता पार्टी की नीतियों को नकार रही है।

उन्होंने दक्षिण भारत के राज्यों का जिक्र करते हुए कहा कि तमिलनाडु, पांडिचेरी और केरल में भाजपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, जो इस बात का संकेत है कि जनता का भरोसा घट रहा है। वहीं पश्चिम बंगाल के संदर्भ में उन्होंने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि वहाँ भाजपा की सफलता संदेह के घेरे में है।

मोहम्मद अरशद खान ने उत्तर प्रदेश की राजनीति पर बोलते हुए कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा चलाया जा रहा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) आंदोलन अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने दावा किया कि यह आंदोलन सामाजिक न्याय की मजबूत धारा बन चुका है, जिसमें बड़ी संख्या में वंचित और पिछड़े वर्ग जुड़ रहे हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतकर अपनी ताकत साबित की और राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभाई।

2027 चुनाव को लेकर बड़ा दावाः मोहम्मद अरशद खान ने विश्वास जताते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। उत्तर प्रदेश में जनहित और सामाजिक न्याय आधारित सरकार बनेगी। अखिलेश यादव पुनः मुख्यमंत्री बनकर प्रदेश को विकास के नए मुकाम पर ले जाएंगे। अंत में उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष का समय है और जनता बदलाव चाहती है।

सोनभद्र में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, वांछित आरोपी गिरफ्तार

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बभनी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने धारा 108 और 352 बीएनएस में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, थाना बभनी में दर्ज मुकदमा संख्या 92/2026 से संबंधित आरोपी बसंत (29 वर्ष), पुत्र सरजू प्रसाद, निवासी ग्राम घघरा (चकेलवा) लंबे समय से फरार चल रहा था। मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस टीम ने देर रात उसके घर पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

उड़ाका दल की बड़ी कार्रवाई, तीन छात्राएं रिस्टीकेट - कई कॉलेजों में सामूहिक नकल उजागर

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय की सम सेमेस्टर परीक्षाओं के दौरान नकल के खिलाफ सख्त अभियान जारी है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के उड़ाका दल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन छात्राओं को नकल करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया, जिन्हें तत्काल प्रभाव से रिस्टीकेट कर दिया गया। कुलपति प्रो. संजीव कुमार के निर्देश पर गठित उड़ाका दल की नोडल टीम—डॉ. पंकज सिंह, डॉ. शफीउज्जमा और डॉ. सुरेंद्र पांडेय—ने श्री रामदवर पांडेय महाविद्यालय, लारादपुर (ओरिल) में औचक निरीक्षण किया। यहां द्वितीय पाली में आयोजित बीए चतुर्थ सेमेस्टर (हिंदी) परीक्षा के दौरान एक ही कक्ष में बैठी तीन छात्राएं श्योर सीरीज के माध्यम से नकल करते हुए पकड़ी गईं। जांच के दौरान टीम ने परीक्षा कक्ष के बाहर से भी उसी विषय से संबंधित चार श्योर सीरीज बरामद कीं, जिन्हें सील कर विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंप दिया गया। इसके अलावा तृतीय पाली की परीक्षा में मां बबुना महाविद्यालय, बरदह में भी सामूहिक नकल का मामला सामने आया, जिसकी रिपोर्ट विश्वविद्यालय को भेजी गई है। वहीं बीएससी प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर (बॉटनी) की परीक्षा के दौरान फूला देवी मंगरू सिंह महाविद्यालय में भी सामूहिक नकल की शिकायत दर्ज कराई गई है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रवेश कुमार सिंह ने बताया कि कुलपति ने उड़ाका दल की कार्रवाई की सराहना करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि परीक्षा की शुचिता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषी महाविद्यालयों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने नकलविहीन परीक्षा कराने के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

यूपी में स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था खत्म, अब पोस्टपेड प्रणाली लागू

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था को समाप्त करने का निर्णय लिया है। ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि अब सभी स्मार्ट मीटर पोस्टपेड मोड पर कार्य करेंगे और उपभोक्ताओं को पहले की तरह मासिक बिल का भुगतान करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रीपेड मीटर को लेकर प्रदेशभर से लगातार शिकायतें और तकनीकी समस्याएं सामने आ रही थीं, जिसके चलते यह फैसला लिया गया। अब हर महीने की खपत के आधार पर बिल तैयार होगा और उपभोक्ताओं को एसएमएस या व्हाट्सएप के माध्यम से भेजा जाएगा। सरकार के फैसले स्मार्ट मीटर अब पोस्टपेड प्रणाली पर चलेंगे, प्रीपेड व्यवस्था पूरी तरह समाप्त, मासिक बिलिंग प्रणाली लागू,,बिल भुगतान के लिए समय सीमा निर्धारित,एक महीने के भीतर बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा,बकाया बिल को 10 किश्तों में जमा करने की सुविधा,ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ता देवो भव का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपना मोबाइल नंबर बिजली विभाग में अपडेट कराएं और समय पर बिल का भुगतान करें। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि फिलहाल नए स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने की प्रक्रिया रोक दी गई है। जिन उपभोक्ताओं के यहां पहले से स्मार्ट मीटर लगे हैं, उन्हें पोस्टपेड में बदल दिया जाएगा। इस फैसले के बाद ऊर्जा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया।

राज्यभर के विश्वविद्यालयों के हजारों शिक्षकेत्तर कर्मी 15 सूत्री मांगों को लेकर करेंगे आंदोलन

पटना(उत्तरशक्ति)। बिहार के पारंपरिक विश्वविद्यालयों और करीब 250 अंगीभूत महाविद्यालयों के हजारों शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अपनी 15 सूत्री लंबित मांगों के समाधान के लिए चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान कर दिया है। वेतन विसंगतियों के निराकरण, पदोन्नति, स्थायीकरण और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के क्रियान्वयन जैसी प्रमुख मांगों को लेकर कर्मचारियों में लंबे समय से असंतोष है। इसी को देखते हुए महासंघ ने संगठित रूप से बुधवार से दो दिवसीय आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया है। महासंघ की बैठक में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव के अनुसार, कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए अब योजनाबद्ध तरीके से दबाव बनाया जाएगा। महासंघ के मुख्य संरक्षक गंगा प्रसाद झा, अध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह, महामंत्री वेंकटेश कुमार, रोहित कुमार और दीपक कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि वेतन कोषांग की मनमानी, सेवा शर्तों में विसंगतियां, लंबित पदोन्नति और स्थायीकरण जैसे मुद्दे वर्षों से लंबित हैं। कई बार सरकार से आग्रह और संवाद के बावजूद अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। निर्णय के तहत 6 और 7 मई को राज्यभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकेत्तर कर्मचारी कलमबंद हड़ताल पर रहेंगे और सामूहिक धरना देंगे। इसके बाद 20 मई को विश्वविद्यालय मुख्यालयों पर कुलपतियों के समक्ष व्यापक धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। आंदोलन को और व्यापक बनाने के लिए जुलाई में बिहार विधानमंडल के समक्ष राज्यस्तरीय विशाल धरना आयोजित करने की योजना है, जिसमें सभी जिलों के कर्मचारी भाग लेंगे। महासंघ ने चेतावनी दी है कि यदि इसके बाद भी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती है, तो अगस्त 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। महासंघ ने राज्य सरकार से जल्द पहल कर कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। साथ ही सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे एकजुट होकर आंदोलन को सफल बनाएं, ताकि अपनी जायज मांगों को हासिल किया जा सके।

छात्रों की डिजिटल हाजिरी न भरने पर 840 प्रधानाध्यापकों का रोका वेतन

महोबा (उत्तरशक्ति)। शासन के आदेश के बाद भी परिषदीय विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की डिजिटल हाजिरी प्रेरणा पोर्टल के माध्यम से न भरे जाने पर बीएसए ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने जनपद के सभी 840 परिषदीय, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कंपोजिट विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों व प्रभारी प्रधानाध्यापकों के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेश तक रोक लगा दी है। बीएसए की इस कार्रवाई से लापरवाह शिक्षकों में खलबली मची है। शासन की ओर से परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन हाजिरी लगाने के आदेश दिए गए हैं। इसके लिए प्रधानाध्यापकों को टैबलेट और सिम भी मुहैया कराई गई हैं। इसके बाद भी प्रधानाध्यापक ऑनलाइन डिजिटल हाजिरी लगाने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। जिले में कुल 840 विद्यालय संचालित हैं। इसमें परिषदीय, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालय शामिल हैं। बीएसए राहुल मिश्रा ने बताया कि 17 दिसंबर 2025 को जनपद के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की डिजिटल हाजिरी प्रेरणा पोर्टल के माध्यम से भरने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद भी कई बार सभी को डिजिटल हाजिरी को लेकर सचेत किया गया और 20 अप्रैल को भी पत्र जारी कर सभी प्रधानाध्यापकों को इस कार्य को पूरा करने के लिए कहा गया। बावजूद इसके अब तक किसी भी प्रधानाध्यापक की ओर से बच्चों की डिजिटल हाजिरी का काम नहीं किया गया है। ऐसे में जनपद की स्थिति शासन की नजर में शून्य बनी हुई है। बार-बार निर्देश देने के बाद भी डिजिटल हाजिरी में रुचि न लेकर प्रधानाध्यापक उच्चाधिकारियों के आदेश का उल्लंघन भी कर रहे हैं।

भाजपा जिला कार्यसमिति बैठक में प्रशिक्षण वर्ग योजना पर मंथन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के महा प्रशिक्षण अभियान 2026 के तहत जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति की अध्यक्षता में जिला कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, प्रशिक्षण वर्ग की रूपरेखा और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण और वंदे मातरम के साथ हुई। मुख्य अतिथि पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन की मजबूती, अनुशासन और जमीनी सक्रियता ही सफलता की कुंजी है। कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं और उनके समर्पण से ही संगठन आगे बढ़ता है। विशिष्ट अतिथि एवं खेल-युवा कल्याण मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा केवल चुनावी राजनीति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक व्यापक आंदोलन है। उन्होंने कार्यकताओं से सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने और नियमित संगठनात्मक बैठकों पर जोर दिया।

राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने संगठन को सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए कार्यकताओं से निष्ठा और समर्पण के साथ जनता के बीच कार्य करने का आह्वान किया। वहीं एमएलसी बृजेश सिंह ने कहा कि भाजपा की ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं, जो योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाते हैं।

जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के अंत्योदय से सर्वोदय की ओर बढ़ने की बात कही और कार्यकताओं से विपक्ष के भ्रामक प्रचार का तथ्यों के साथ जवाब देने का आह्वान किया। पूर्व सांसद डॉ. केपी सिंह ने कार्यसमिति को संगठन की प्राणशक्ति बताते हुए कहा कि यहां लिए गए संकल्प भविष्य की दिशा तय करते हैं। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र सिंह, पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, सुशील उपाध्याय सहित कई पदाधिकारियों ने संगठन विस्तार, राष्ट्रवाद और चुनावी तैयारियों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सहारनपुर में रिश्वत लेते अवर अभियंता गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई

सहारनपुर(उत्तरशक्ति)। भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन टीम ने सहारनपुर विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता आशीष सक्सेना को ?20 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी अवर अभियंता ने 130 गज के एक आवासीय निर्माण की सील खोलने के बदले रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित द्वारा शिकायत किए जाने पर एंटी करप्शन टीम ने योजना बनाकर ट्रैप लगाया और आरोपी को घूस लेते समय पकड़ लिया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए जाएंगे।

खाटू श्याम बाबा की निकाली गई शोभायात्रा, शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के चकरारेत गांव में मंगलवार को खाटू श्याम की भव्य शोभायात्रा बड़े ही धूमधाम व श्रद्धा के साथ निकाली गई,शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं,पुरुष व बच्चे शामिल रहे।शोभायात्रा चकरारेत से निकल कर बाजार के विभिन्न मार्गों से होकर होते हुए खाटू श्याम मंदिर पहुंच भंडारे के रूप में तब्दील हो गई,जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच प्रसाद ग्रहण किए।शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव में डूबे नजर आए,और जय श्री खाटू श्याम के जयकारों से समूचा क्षेत्र गुंजमान हो उठा।डीजे के धुन पर श्रद्धालु नाचते गाते आगे बढ़ते रहे। जिससे नगर भक्तिमय माहौल हो गया, शोभायात्रा जहां - जहां से गुजरी लोगो ने पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत भी किया। शोभायात्रा आयोजक संजू देवी व सीमा देवी ने बताया कि पिछले लगभग 10 वर्षों से चकरारेत गांव में खाटू श्याम बाबा का मंदिर स्थापित है।गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में बाबा के प्रति लोगों की आस्था है।वही श्रद्धालुओं का मानना है कि बाबा उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं, जिससे लोगों की श्रद्धा और विश्वास मजबूत हुआ है।

पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर का गनर दुष्कर्म और गर्भपात के आरोप में गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के गनर को गिरफ्तार कर लिया गया है। गनर प्रशांत राय पर दुष्कर्म और गर्भपात कराने का आरोप ह। प्रशांत पर शादी का झांसा देकर चार साल तक दुष्कर्म करने का आरोप है. वाराणसी में किराए पर सिपाही प्रशांत राय युवती के साथ रहता था. लड़की ने गनर पर मारपीट और जानलेवा हमला करने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता ने बताया कि गनर ने 25 अप्रैल को गुपचुप तरीके से प्रयागराज में शादी कर ली सोशल मीडिया पर फोटो देखने के बाद युवती ने शिकायत की थी. पुलिस ने आरोपी सिपाही के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है. पूरा मामला वाराणसी के सारनाथ थाना क्षेत्र का है। आरोपी प्रशांत राय, जो उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर की सुरक्षा में गनर के रूप में तैनात था। आरोप है कि गनर ने युवती को प्रेम जांल में फंसाया और फिर शादी का वादा करके कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। इस दौरान लड़की दो बार गर्भवती हो गई. लेकिन आरोपित ने झांसा देकर पीड़िता पर दबाव बनाया और गर्भपात करवा दिया। जब युवती ने शादी के लिए अंतिम दबाव बनाया तो आरोपी ने 25 अप्रैल को चुपके से किसी अन्य महिला के साथ शादी कर ली. सिपाही किराए पर कमरा लेकर उसके साथ रहता था. पीड़िता ने मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी गनर के खिलाफ रेप, जबरन गर्भपात कराने और धमकाने जैसे गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। 4 मई को हिम्मत जुटाकर पीड़िता सारनाथ थाने पहुंची और आपबीती सुनाई शिकायत की जानकारी मिलते ही सिपाही प्रशांत राय अपने बड़े भाई के साथ थाने पहुंच गया। एसीपी सारनाथ विदुश सक्सेना के नेतृत्व में जब पुलिस ने उससे कड़ी पूछताछ की, तो वह किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दे सका साक्ष्यों और पीड़िता के बयानों के आधार पर पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया प्रशांत मूल रूप से मिजार्पुर का रहने वाला है और वर्तमान में मंत्री की सुरक्षा एस्कॉर्ट तैनात था।

शिक्षामित्रों को सम्मान का संबल: बढ़े मानदेय के साथ मिला आत्मविश्वास

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षामित्रों के मानदेय में की गई वृद्धि को लेकर मंगलवार को वाराणसी में एक गरिमामय और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। चौकाघाट स्थित गिरिजा देवी संकुल में आयोजित इस समारोह में शिक्षामित्रों को बढ़े हुए मानदेय के प्रतीक चेक वितरित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि गोरखपुर में आयोजित मुख्य समारोह, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि थे, उसका सजीव प्रसारण भी यहां उपस्थित जनसमूह को दिखाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन समन्वय मंत्री अनिल राजभर, स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, एमएलसी धर्मेंद्र सिंह, विधायक सौरभ श्रीवास्तव और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। समारोह के दौरान शिक्षामित्रों को डमी चेक देकर सम्मानित किया गया। पूरे कार्यक्रम में शिक्षामित्रों के चेहरों पर संतोष और उत्साह स्पष्ट नजर आया। परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सांस्कृतिक गरिमा भी प्रदान की। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने शिक्षामित्रों और शिक्षकों की भूमिका को देश के भविष्य की आधारशिला बताते हुए कहा कि ये वर्ग केवल शिक्षा नहीं दे रहा, बल्कि राष्ट्र के चरित्र का निर्माण कर रहा है। उन्होंने मानदेय वृद्धि को शिक्षामित्रों के मनोबल को सशक्त करने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया। स्टाम्प मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने कहा कि प्रदेश में बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। शिक्षामित्रों के मानदेय में वृद्धि केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि उनके सम्मान और आत्मसम्मान को मजबूत करने वाला कदम है। एमएलसी धर्मेंद्र सिंह ने इसे शिक्षामित्रों के लिए प्रेरणादायक पहल बताया, वहीं विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए शिक्षामित्रों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, प्रदीप अग्रहरि, अदिति पटेल, मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव सहित कई अधिकारी और शिक्षा विभाग से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे।शिक्षामित्रों के मानदेय में वृद्धि का यह कदम न सिर्फ उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में अहम है, बल्कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को जमीनी स्तर पर मजबूती देने की एक बड़ी पहल के रूप में भी देखा जा रहा है। सरकार का यह संदेश साफ है कि शिक्षा के आधार स्तंभ को मजबूत किए बिना समग्र विकास संभव नहीं।

जौनपुर में एक सम्मान मां के नाम कार्यक्रम, दिव्यांग बच्चों की माताओं का हुआ सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के रूहट्टा स्थित दिव्यांग विद्यालय में नोएडा की संस्था फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन द्वारा एक सम्मान मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों की माताओं को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नेत्र बाधित छात्र आकाश विशाल आदर्श ने स्वागत गीत के साथ किया। मुख्य अतिथि डॉ. त्रिभुवन सिंह ने कहा कि यह सम्मान उन माताओं के त्याग, समर्पण और ममता को समर्पित है, जो विशेष बच्चों की परवरिश में असाधारण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों की तरह उनकी माताएं भी विशेष होती हैं। संस्था के निदेशक डॉ. महिपाल सिंह ने माताओं को बच्चों की देखभाल और थेरेपी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घर पर नियमित देखभाल और सही तरीके से थेरेपी करने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार संभव है।

कार्यक्रम के दौरान संस्था द्वारा पूर्व में दिए गए सहयोग का भी उल्लेख किया गया, जिसमें कूलर, पंखे, वॉकर, व्हीलचेयर, नेत्र बाधित बच्चों के लिए छड़ी, वाद्य यंत्र और शैक्षिक सामग्री शामिल है। साथ ही बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ऑर्गेनिक हैंडवॉश बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

इस मौके पर बच्चों के साथ समय बिताते हुए उन्हें भोजन भी कराया गया। राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ एजुकेशन के प्रबंधक डॉ. राजेश कुमार और उपाध्यक्ष डॉ. राजेश गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन दीपक सिंह ने किया, जबकि विशेष शिक्षिका हेमू वर्मा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कई गणमान्य लोग और अभिभावक उपस्थित रहे।

ज्ञान प्रकाश सिंह के पौत्र राघव को आशीर्वाद देने कैलाशपति पहुंचे संत, राजनेता और समाजसेवी

शिव पूजन पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आशीर्वाद का अर्थ बड़ों, गुरुओं या ईश्वर द्वारा दी जाने वाली सद्भावना और सकारात्मक ऊर्जा है, जो जीवन में आत्मबल, सुरक्षा और समृद्धि प्रदान करती है। माता-पिता का आशीर्वाद अटूट सफलता और सुख का मार्ग प्रशस्त करता है।

जनपद के गोधना गांव में स्थित कैलाशपति का भव्य प्रांगण 4 मई को करीब 20 हजार गणमान्य लोगों से खचाखच भरा हुआ था। उत्तर प्रदेश के कोने-कोने से चलकर लोग जनपद के प्रख्यात समाजसेवी तथा वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह के पौत्र अक्षांत सिंह (राघव) के मुंडन संस्कार में अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद देने के लिए वहां इकट्ठा थे।

कार्यक्रम में प्रदेश की अनेक जानी-मानी हस्तियां शामिल रहीं। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने बताया कि इतना बड़ा और भव्य कार्यक्रम शायद ही कहीं हुआ हो। मॉडर्न ग्रुप ऑफ कंपनीज के संचालक ज्ञान प्रकाश सिंह के छोटे सुपुत्र सुमित सिंह के पुत्र राघव का मुंडन संस्कार कई मामलों में अद्वितीय रहा। 4 मई को सुबह 9 बजे पावन शीतला चौकिया धाम में वैदिक विधि विधान एवं धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार राघव का मुंडन संस्कार किया गया। शाम 6 बजे उनके गोधना स्थित आवास कैलाशपति पर प्रीति भोज का आयोजन किया गया। कैलाशपति को बहुत ही आकर्षक तरीके से सजाया गया था।

विशिष्ट मेहमानों के लिए हेलीपैड भी बनाया गया था। ज्ञान प्रकाश सिंह के अलावा उनके दोनों सुपुत्र अमित सिंह और सुमित सिंह, भुवनेश्वर सिंह, प्रवीण सिंह, अभिषेक सिंह ने आ रहे अतिथियों का स्वागत सम्मान किया।

वाराणसी के क्रीं कुंड पीठाधीश्वर बाबा कीनाराम, स्वामी सिद्धार्थ गौतम, संत राजू दास महाराज अयोध्या, महामंडलेश्वर जूना अखाड़ा स्वामी डॉ उमाकांत सरस्वती जैसे अनेक पूज्य संत समझ में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पहुंचने वाले प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक लोगों में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सांसद जगदंबिका पाल, सांसद सीमा द्विवेदी, कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री डॉ महेंद्रनाथ पांडे, पूर्व सांसद धनंजय सिंह, उत्तर प्रदेश के मंत्री गिरीश यादव, विधायक सुशील सिंह, विधायक अवधेश सिंह,विधायक रमेश मिश्रा, विधायक राकेश सिंह, कुंवर वीरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक लीना तिवारी, जिलाधिकारी दिनेश चंद्र, विद्यासागर सोनकर, मुंबई के भाजपा नेता अमरजीत सिंह, उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह, पूर्व सांसद श्याम सिंह यादव, डीजीपी विश्वकर्मा, रमेशजी ,अजय दुबे, ब्लॉक प्रमुख श्रीप्रकाश शुक्ल ,राजीव प्रताप सिंह, गोल्डी गुप्ता, समाजसेवी रजनीकांत मिश्रा, इंदु प्रकाश तिवारी, बिल्डर विजय यादव, नगराध्यक्ष वैभव सिंह, डॉ मनोज मिश्रा ,पत्रकार मधुकर तिवारी, पत्रकार लालारख दुबे, पत्रकार चंद्रकांत दुबे आदि का समावेश रहा।

वसई वेस्ट: मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए बैठक और निरीक्षण

वसई। वसई विधानसभा क्षेत्र में मछली पालन को प्रोत्साहन देने और स्थानीय मछुआरों को आधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने अधिकारियों के साथ प्रस्तावित फिशरीज ट्रेनिंग सेंटर के लिए चयनित स्थान का निरीक्षण किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं को मछली पालन से जुड़ी नई तकनीक, प्रोसेस और मैनेजमेंट स्किल्स की ट्रेनिंग देकर रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है। साथ ही, मछली उत्पादन में वृद्धि के माध्यम से क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने पर भी जोर दिया गया। बैठक में क्रूज और शिप इंडस्ट्री में बढ़ते रोजगार अवसरों को ध्यान में रखते हुए, इस ट्रेनिंग सेंटर में संबंधित स्किल-बेस्ड कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा गया। इससे वसई के युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही इन क्षेत्रों में रोजगार के लिए आवश्यक प्रशिक्षण मिल सकेगा। इस मौके पर असिस्टेंट फिशरीज कमिश्नर दिनेश पाटिल, लैंड रिकॉर्ड्स डिप्टी सुपरिंटेंडेंट अमोल बड्डे, नायब तहसीलदार राजाराम देवकाटे, कल्पेश पांडे, अविनाश चावंडे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद परियोजना को जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए। उम्मीद जताई जा रही है कि इस पहल से वसई क्षेत्र में मछली पालन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत

नन्हें लेखकों ने गंगा की गूंज को दिया शब्दों का स्वर

-सुरेश गांधी

वाराणसी। शिक्षा, संस्कृति और सृजनशीलता का अद्भुत संगम उस समय देखने को मिला जब सनबीम शिक्षण समूह के विद्यार्थियों द्वारा लिखित पुस्तक गंगा - विस्पर्स ऑफ द रिवर का भव्य विमोचन लहरतारा स्थित परिसर में किया गया। यह अवसर केवल एक पुस्तक के लोकार्पण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि काशी की आत्मा–गंगा–के प्रति नई पीढ़ी की संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का सशक्त प्रदर्शन भी बना।

सनबीम समूह की इस पांचवीं छात्र-लेखित पुस्तक का विमोचन देश के प्रतिष्ठित विद्वानों और गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में संकटमोचन मंदिर के महंत एवं प्रख्यात पर्यावरणविद प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्र उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में 39 जीटीसी वाराणसी के स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर जयदीप चंदा, कैंटोनमेंट बोर्ड के सीईओ सत्यम मोहन, मेजर कंवरदीप सिंह नेगी, शिक्षाविद संदीप

सेठी, परनब मुखर्जी, स्कॉलास्टिक इंडिया के नवीन कुमार सिंह, लेखकीय सलाहकार राहुल सैनी सहित सनबीम समूह के अध्यक्ष डॉ. दीपक मधोक, उपाध्यक्ष श्रीमती भारती मधोक और निदेशिका श्रीमती अमृता बर्मन मौजूद रहीं। इस पुस्तक को 23 मेधावी छात्र-छात्राओं ने मिलकर लिखा और संकलित किया है, जिसमें गंगा के प्रति उनके व्यक्तिगत अनुभव, विचार और संवेदनाएं समाहित हैं। पुस्तक का संपादन और प्रकाशन स्कॉलास्टिक्स राइटर्स अकादमी द्वारा किया गया है, जबकि कवर डिजाइन छात्र कार्तिकेय कुमार गोंड ने तैयार किया। कार्यक्रम का शुभारंभ तुलसी के पौधे पर गंगाजल अर्पित कर किया गया और छात्र राघवेंद्र ने गंगाष्टकम का सस्वर पाठ कर वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक-शिक्षिकाएं और काशी के गणमान्य नागरिक इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्र ने कहा कि यह पुस्तक केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि गंगा के प्रति जिम्मेदारी का संदेश है। उन्होंने विद्यार्थियों की मेधा और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। ब्रिगेडियर जयदीप चंदा ने कहा कि आधुनिकता के दौर में भी यदि बच्चे अपनी जड़ों से जुड़े रहकर इतना परिपक्व लेखन कर रहे हैं, तो यह शिक्षा की वास्तविक सफलता है। वहीं सीईओ सत्यम मोहन ने इसे वैश्विक विरासत पर आधारित सारगर्भित प्रयास बताया। सनबीम समूह की निदेशिका अमृता बर्मन ने इसे आशीर्वाद का क्षण बताते हुए कहा कि इतने विद्वानों की उपस्थिति विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ा सम्मान है। अध्यक्ष डॉ. दीपक मधोक और उपाध्यक्ष भारती मधोक ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को बधाई देते हुए इसे समाज के लिए एक अमूल्य उपहार बताया। यह पुस्तक गंगा के ऐतिहासिक, भौगोलिक, जैविक और आध्यात्मिक पहलुओं को समेटते हुए न केवल उसकी महिमा का गुणगान करती है, बल्कि उसके संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी रेखांकित करती है। सनबीम के इन युवा लेखकों ने केवल एक पुस्तक नहीं लिखी, बल्कि गंगा के प्रति एक संवेदनशील विचारधारा को जन्म दिया है–जो आने वाले समय में समाज को दिशा देने का काम करेगी।

अपर्णा पाटिल ने वसई-विरार मनपा कमिश्नर से की मुलाकात

वसई-विरार। वसई-विरार क्षेत्र में बुनियादी ढांचे से जुड़ी समस्याओं को लेकर आज अहम पहल देखने को मिली। स्थानीय प्रतिनिधि अपर्णा पाटिल ने वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कमिश्नर से मुलाकात कर वसई ईस्ट और वेस्ट को जोड़ने वाले रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य के दौरान आ रही दिक्कतों को प्रमुखता से उठाया। मुलाकात में खासतौर पर सड़कों के दोनों ओर डाली गई मिट्टी के कारण नालियों के जाम होने के खतरे और इससे स्थानीय लोगों को हो रही परेशानी का मुद्दा सामने रखा गया। मानसून नजदीक होने के चलते यह समस्या और गंभीर हो सकती है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता जताई गई। इसके साथ ही यह मांग भी की गई कि इस मुद्दे के समाधान के लिए सभी संबंधित पक्षों–स्थानीय जनप्रतिनिधियों, म्युनिसिपल अधिकारियों, मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन और संबंधित ठेकेदारों–के बीच एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाए, ताकि समन्वय के साथ जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए जा सकें। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन समय रहते कार्रवाई करेगा और मानसून से पहले जरूरी सुधार कार्य पूरे किए जाएंगे, जिससे आवागमन और जल निकासी की समस्या से राहत मिल सके।

शिवसेना की रत्ना राकेश पांडेय के द्वारा अस्पताल में फल वितरण संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिवसेना पक्ष के सरचिटणीस व भूतपूर्व खासदार राहुल शेवाळे के आदेशानुसार अस्पताल मे फल वितरण एस आय आर भारत सरकार निर्वाचन आयोग के द्वारा शिबिर आयोजन व विद्यालंकार कॉलिज से बरकताली नाका भीमवाडी शेख मिस्त्री दर्गा , कोकरी आगर कोळीवाडा ब्रिज सायन हॉस्पिटल , नेहरूनगर एसटी डेपो से लोकमान्य तिलक नगर रेल्वे स्टेशन तक नई बस सेवा शुरू करने के लिए पूर्व खासदार राहुल शेवाळे जी का पत्र बीईएसटी चेअरमन श्रीमती तृष्णा विश्वासराव को निवेदन कुलाबा बेस्ट भवन मे दिया गया इस अवसर पर रविकांत पांडे , हरिप्रसाद कनोजिया , गोकर्ण त्रिपाठी , जयप्रकाश तिवारी व काफी लोग मौजूद थे बेस्ट चेअरमन ने आश्वासन दिया इस पत्र पर विशेष ध्यान देकर व जनता की मांग को ध्यान मे रखते जल्दी कारवाई की जायेगी । इस शिष्टमंडल का नेतृत्व समाजसेविका व शिवसेना पक्ष की कार्यकर्ता रत्ना राकेश पांडे ने किया ।

मेहदी रस्म में वृद्ध को मारी गोली, हालत गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के नाथूपुर गांव में सोमवार रात एक वैवाहिक कार्यक्रम के पूर्व होने वाले मेहदी रस्म के दौरान एक वृद्ध को गांव के ही एक व्यक्ति ने गोली मार दिया। गोली जबड़े में लगी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी हालत नाजुक देख उसे जिला चिकित्सालय से वाराणसी बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। उक्त गांव के बांकेलाल गुप्ता के यहां मंगलवार को बारात आनी थी। सोमवार को घर में मेहंदी की रस्म चल रही थी। परिवार के साथ रिश्तेदार खुशी के माहौल में शामिल थे। इसी दौरान गांव के अरविंद सिंह बाइक से वहां पहुंचा। पुरानी रंजिश को लेकर उसने प्रेम साव पुत्र सेचन साव पर फायर कर दिया। गोली प्रेम के जबड़े में लगी जो गर्दन में पीछे फंस गई, मौके पर अफरा-तफरी मच गई। खुशियों के बीच मातम पसर गया। महिलाओं व बच्चों की चीख-पुकार गूंज उठी। परिजनों ने आनन-फानन में घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बीएचयू रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही जफराबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच में जुट गई है। हमलावर घटना के बाद से फरार बताया जा रहा है। घटना के बाद प्रेम साव के भतीजे प्रिंस गुप्ता पुत्र विजय गुप्ता ने अरविंद कुमार सिंह के खिलाफ तहरीर दिया। थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल ने बताया कि आरोपी पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

50 स्वयंसेवक, मुंबई ट्रैफिक पुलिस, एक मिशन :IPL की रात मुंबई की सड़कों को बनाया सुरक्षित

मुंबई। भारत में हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गँवाते हैं। हजारों और घायल होते हैं। और फिर भी, भीड़भाड़ वाले आयोजनों में ट्रैफिक अनुशासनहीनता, अवैध पार्किंग और पैदल यात्रियों की अव्यवस्था बेरोकटोक जारी रहती है। आज, एक संस्था ने इसे बदलने की ठानी। लाइफस्टाइल वेदा इंटीग्रेटेड वेलफेयर फाउंडेशन, गारवेयर हाई-टेक फिल्म्स लिमिटेड (उरफ भागीदार) के सहयोग से, आज मरीन ड्राइव और वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई पर एक मेगा क्राउड मैनेजमेंट और सड़क सुरक्षा अभियान शुरू किया – जानबूझकर क्रिकेट मैच के दिन, ताकि इस अभियान का असर अधिकतम हो। मिशन क्या है? लक्ष्य स्पष्ट था: यह साबित करना कि सड़क सुरक्षा केवल दीवारों पर लिखा नारा या मंच से दिया गया भाषण नहीं है – यह एक अनुशासन है जिसे वास्तविक समय में, जमीनी स्तर पर लागू करना होगा। लाखों दर्शकों के वानखेड़े में उमड़ने के साथ, फाउंडेशन ने मुंबई की सबसे दबावपूर्ण शाम को ट्रैफिक

व्यवस्था और नागरिक जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण बनाने का अवसर देखा। जमीनी हकीकत:दोपहर 3 बजे मरीन ड्राइव ट्रैफिक डिवीजन में ट्रैफिक प्रभारी अधिकारी के साथ औपचारिक ब्रीफिंग हुई। इसके बाद 50 प्रशिक्षित स्वयंसेवक 7 से 8 रणनीतिक स्थानों पर तैनात हुए – जिनमें वानखेड़े के गेट शामिल हैं – मुंबई ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर। टीम ने लाइव ट्रैफिक प्रवाह, रूटिंग डायवर्ज़न और पैदल भीड़ प्रबंधन संभाला और हेलमेट अनुपालन, नो-पार्किंग अनुशासन और लेन व्यवस्था को सक्रिय रूप से लागू किया। यह तैनाती अभी जारी है और मैच के बाद रात 11 बजे समाप्त होगी। सड़क दुर्घटनाएँ इसलिए नहीं होतीं कि लोग नियम नहीं जानते – बल्कि इसलिए होती हैं क्योंकि कोई देख नहीं रहा और कोई जिम्मेदार नहीं है। आज यह हमने यह बदला। हमारे स्वयंसेवक केवल भीड़ नहीं संभाल रहे – वे मुंबई को दिखा रहे हैं कि जिम्मेदार नागरिकता कैसी दिखती है। लाइफस्टाइल वेदा इंटीग्रेटेड वेलफेयर फाउंडेशन के सह-संस्थापक डॉ. निशा सिद्धार्थ एवं नीरज सरोहा ने कहा। एक बड़े मिशन का हिस्सा:आज का अभियान 'सड़क सुरक्षा एवं सतत गतिशीलता 2026' के पहले दिन का हिस्सा है – एक पाँच दिवसीय, बहु-शहरी पहल जो दिल्ली, पुणे और मुंबई में फैली है, राष्ट्रीय थीम सुरक्षित सड़कें, जिम्मेदार नागरिक, सतत भविष्यह्व के तहत।

एनआईआईटी यूनिवर्सिटी और ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी की साझेदारी में बीबीए कार्यक्रम शुरू

पटना। एनआईआईटी यूनिवर्सिटी और ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी ने मिलकर इंडस्ट्री-इंटीग्रेटेड बीबीए (एलाइड फाइनेंस) कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रायोगिक शिक्षा और वास्तविक इंडस्ट्री अनुभव के माध्यम से फाइनेंस और कंसल्टिंग क्षेत्र के लिए तैयार करना है। इस साझेदारी के तहत यूनिवर्सिटी शैक्षणिक संचालन और शिक्षण की जिम्मेदारी संभालेगी, जबकि ग्रांट थॉर्नटन पाठ्यक्रम निर्माण, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप और इंडस्ट्री मार्गदर्शन में सहयोग करेगा। कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं में 18 महीनों का संरचित इंडस्ट्री प्रशिक्षण (स्टाइपेंड सहित), लगभग 80 प्रतिशत प्रायोगिक आधारित पाठ्यक्रम, और एक्सेल, पाइथन, एसएपी, पावर बीआई व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे टूल्स पर प्रशिक्षण शामिल हैं। साथ ही, छात्रों को प्री-प्लेसमेंट ऑफर पाने और कंसल्टिंग क्षेत्र में करियर बनाने के अवसर भी मिलेंगे। यह कार्यक्रम छात्रों को डिग्री के साथ-साथ आवश्यक कौशल, इंडस्ट्री अनुभव और प्रोफेशनल नेटवर्क प्रदान करने पर केंद्रित है। बीबीए (एलाइड फाइनेंस) कार्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस साझेदारी पर बोलते हुए प्रो. प्रकाश गोपालन, प्रेसिडेंट, एनआईआईटी यूनिवर्सिटी ने कहा, एनआईआईटी यूनिवर्सिटी में हमारा मानना है कि शिक्षा का भविष्य तभी मजबूत होगा, जब उसका सीधा जुड़ाव कामकाजी दुनिया और इंडस्ट्री से हो। इस साझेदारी पर अपनी बात रखते हुए कपिल अरोड़ा, पार्टनर, ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी ने कहा, ग्रांट थॉर्नटन भारत में हमारा हमेशा से मानना रहा है कि प्रतिभा निर्माण उतना ही महत्वपूर्ण है।

डॉ. हेमंत सांवरा ने नवनिर्वाचित सरपंच विनायक तुलसीराम थालकर को हार्दिक बधाई

पालघर। पालघर के खासदार डॉ. हेमंत सांवरा ने ग्राम पंचायत हटेरी, तालुका जव्हार के नवनिर्वाचित सरपंच विनायक तुलसीराम थालकर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि विनायक थालकर के नेतृत्व में हटेरी गांव का सर्वांगीण विकास होगा और गांववासियों की अपेक्षाएं पूरी होंगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हटेरी गांव प्रगति की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। डॉ. सांवरा ने उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभेच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि वे गांव के विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहें।

विंडमिल्स क्राफ्टवर्क्स में स्टैनली जॉर्डन का लाइव शो

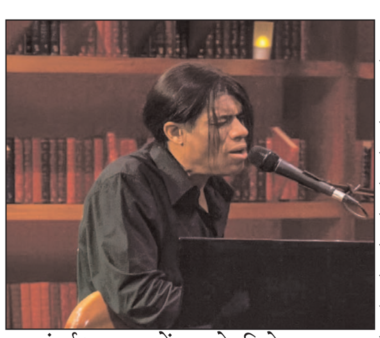

मुंबई। भारत में अपने विशेष माहौल और अलग अनुभवों के लिए पहचाना जाने वाला विंडमिल्स क्राफ्टवर्क्स, जहाँ संगीत, विदेशी व्यंजन, क्राफ्ट बीयर और बेहतरीन डिजाइन का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है, इस मई कुछ खास लेकर आ रहा है। टोटल एन्वायर्नमेंट म्यूजिक फाउंडेशन के तहत चार बार ग्रैमी के लिए नॉमिनेट हो चुके जैज कलाकार स्टैनली जॉर्डन, बहुमुखी और दमदार ड्रमर केनवुड डेनार्ड के साथ लाइव परफॉर्म करेंगे। यह लाइव परफॉर्मेंस 15 मई, 2026 को विंडमिल्स क्राफ्टवर्क्स, हैदराबाद में होगी, इसके बाद 16 और 17 मई, 2026 को विंडमिल्स क्राफ्टवर्क्स, बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी। संगीत प्रेमियों के लिए ये शामें खास होने वाली हैं, जहाँ गहरे सुर, सहज इम्प्रोवाइजेशन और दो शानदार कलाकारों के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिलेगा, जो कंटेम्परेरी जैज को एक जीवंत अनुभव के रूप में पेश करेगा, साथ ही ऐसा माहौल बनाएगा, जहाँ लोग आराम से बैठकर संगीत का पूरा आनंद ले सकें। स्टैनली जॉर्डन ने अपनी अनोखी दो-हाथों से बजाने वाली 'टच टेक्नीक' के जरिए मॉडर्न जैज को एक नया रूप दिया है। इस खास तकनीक में वे एक साथ धुन, ताल और हार्मनी बजाते हैं, जिससे उन्होंने जैज की भाषा को ही बदल दिया है और दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी संगीत यात्रा में डिजी गिलेस्पी और क्विंसी जोन्स जैसे बड़े कलाकारों के साथ काम करना शामिल है, जिससे उनकी मजबूत विरासत बनी है। उनके साथ शो में केनवुड डेनार्ड भी होंगे, जो अपने मल्टी-इंस्ट्रूमेंटल लाइव परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं और इस शो में ड्रम्स और कीबोर्ड पर बेहतरीन परफॉर्मेंस देंगे। विंडमिल्स क्राफ्टवर्क्स के फाउंडर कमल सागर ने कहा, विंडमिल्स क्राफ्टवर्क्स में हमारा उद्देश्य हमेशा से ही संगीत को उसके वास्तविक और बेहतरीन रूप में पेश करना रहा है। स्टैनली जॉर्डन और केनवुड डेनार्ड जैसे कलाकारों के जरिए यह सोच और भी मजबूत होती है। स्टैनली ने न सिर्फ अपने इंस्ट्रूमेंट में महारत हासिल की है, बल्कि उसकी भाषा को भी नया रूप दिया है, वहीं केनवुड अपनी गहरी समझ और रिदम के जरिए इस अनुभव को और खास बनाते हैं। ऐसे कलाकारों की मेजबानी करना और उनके संगीत को सच्चे श्रोताओं तक पहुँचाना हमारे लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह ऐसा माहौल बनाने की बात है, जहाँ कलाकार खुलकर अपना हुनर दिखा सकें और लोग संगीत को दिल से महसूस कर सकें।

जीत पर राजन नाईक ने दी हार्दिक बधाई

वसईरोड। केरल के चित्तनूर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार बी.बी. गोपकुमार की ऐतिहासिक जीत पर राजन नाईक ने हार्दिक बधाई दी है। नालासोपारा से विधायक राजन नाईक ने इस जीत को पार्टी कार्यकताओं की मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि चित्तनूर की जनता ने विकास और सुशासन के पक्ष में अपना जनादेश दिया है। इस अवसर पर राजन नाईक ने भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें चित्तनूर विधानसभा की ज़िम्मेदारी सौंपी। उन्होंने भरोसा जताया कि बी.बी. गोपकुमार के नेतृत्व में क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरा जाएगा।

कमिश्नर को प्रतीक स्वरूप तलवार भेंट कर जताया गया सम्मान

वाराणसी। काशी में कानून-व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सख्त संदेश गया है। करणी सेना से जुड़े मनीष सिंह हत्याकांड के बाद पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई ने न सिर्फ अपराधियों के नेटवर्क को झकझोरा है, बल्कि आमजन और व्यापारी वर्ग के भीतर सुरक्षा को लेकर भरोसा भी मजबूत किया है। वाराणसी व्यापार मंडल ने अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर अपना समर्थन दर्ज कराया। हालांकि, पुलिस प्रशासन पहले ही इस मामले में सक्रियता दिखाते हुए 8 से 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुका है, वहीं दो आरोपियों को मुठभेड़ में घायल कर पकड़ने की कार्रवाई ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर अमल हो रहा है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा के नेतृत्व में मंगलवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, एसओजी प्रभारी गौरव सिंह तथा उनकी टीम के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। कमिश्नर को प्रतीक स्वरूप तलवार भेंट कर सम्मान जताया गया, जो अपराध के विरुद्ध संघर्ष और न्याय की स्थापना का प्रतीक माना गया। इस दौरान जिला मजिस्ट्रेट शतेंद्र कुमार

सिंह से भी टेलीफोनिक वार्ता कर व्यापारियों ने प्रशासनिक कार्रवाई की सराहना की और विश्वास जताया कि कोई भी दोषी कानून के शिकंजे से बाहर नहीं रहेगा। यह घटनाक्रम केवल एक आपराधिक मामले की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि उस बदलती प्रशासनिक कार्यशैली का संकेत है, जिसमें अपराध के प्रति कठोरता और त्वरित न्याय की अपेक्षा समाज की प्राथमिकता बन चुकी है।

व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है और काशी के अधिकारी उसी सोच के अनुरूप कार्य कर रहे हैं। यह भरोसा केवल राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर दिख रही कार्रवाई का परिणाम है। दिलचस्प पहलू यह भी है कि जिला प्रशासन द्वारा अपराधियों की संपत्तियों की पहचान और माप-तौल की प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी ने यह संकेत दिया है कि जरूरत पड़ने पर बुलडोजर कार्रवाई भी की जा सकती है। यह नीति जहां एक ओर अपराधियों के मनोबल को तोड़ने का काम करती है, वहीं दूसरी ओर कानून के कठोर पक्ष को भी उजागर करती है। हालांकि, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भी आवश्यक है कि ऐसी कार्रवाइयां पूरी तरह विधिक प्रक्रिया के तहत हों, ताकि न्याय की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनी रहे। व्यापार मंडल ने 6 मई को किसी भी प्रकार के विरोध या बंद से दूरी बनाते हुए सामान्य रूप से व्यापार जारी रखने का निर्णय लिया, जो यह दर्शाता है कि व्यापारी वर्ग अब अस्थिरता नहीं, बल्कि स्थायित्व और सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। जिला अध्यक्ष नन्हे जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी व्यापारियों से अपील की कि वे अपने कार्य सामान्य रूप से करें और प्रशासन पर विश्वास बनाए रखें। इस पूरे घटनाक्रम में एक सकारात्मक संदेश यह भी उभरकर सामने आता है कि जब प्रशासन सक्रिय हो और समाज सहयोगी, तब अपराध के खिलाफ लड़ाई अधिक प्रभावी बनती है।

मंगलवार को चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर और शिक्षाविद मनोज राय प्रसिद्ध आरटीआई कार्यकर्ता और समाजसेवी अनिल गलगली से उनके कुर्ला स्थित कार्यालय में सदिच्छा भेंट की। इस अवसर पर अनिल गलगली ने मनोज राय को अपनी पत्रिका अग्नि शिला की एक प्रति भेंट की। छाया: उत्तरशक्ति

शाह की चाणक्य नीति का असर : छत्तीसगढ़ से लेकर हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और बंगाल में खिला कमल

मुंबई। बंगाल की वह धरती, जो कभी गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के संगीत, स्वामी विवेकानंद के आध्यात्मिक तेज और शरतचंद्र की कालजयी रचनाओं से महकती थी, दशकों से एक ऐसी खामोशी ओढ़े हुए थी जो विकास की नहीं, बल्कि विनाश की आहट थी। यह वह बंगाल था जिसने कभी पूरे देश को दिशा दिखाई थी, लेकिन समय के चक्र ने इसे राजनीति के उस अंधेरे गलियारे में धकेल दिया जहाँ केवल हिंसा और प्रतिशोध का शोर था।

पहले 35 वर्षों तक कम्युनिस्टों के 'लाल गलियारे' ने बंगाल की औद्योगिक कमर तोड़ी और फिर पिछले 15 सालों से तृणमूल कांग्रेस के शासन ने उसे भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और अराजकता के दलदल में धकेल दिया। जूट मिलों के बंद होने से सुबह के सायरन खामोश हो गए, उद्योग ठप्प पड़ गए और रोजगार की

तलाश में बंगाल का युवा अपनी ही मिट्टी छोड़ने पर मजबूर हो गया। सांस्कृतिक पहचान वाले इस प्रदेश में रवींद्र संगीत की जगह बम और गोलों के धमाकों ने ले ली। संदेशखाली से लेकर आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज तक, महिलाओं के शोषण और प्रशासनिक लापरवाही की कहानियों ने बंगाल की आत्मा को छलनी कर दिया था। लेकिन साल 2026 की तपती गर्मियों ने एक नई पटकथा लिखनी शुरू की। भारतीय राजनीति के आधुनिक 'चाणक्य' कहे जाने वाले अमित शाह जब कोलकाता के दमदम हवाई अड्डे पर उतरे, तो उनके चेहरे की लकीरों में एक स्पष्ट संकल्प और आँखों में भविष्य का खाका था। उन्होंने भाँप लिया था कि बंगाल अब केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि अपनी खोई हुई अस्मिता की वापसी चाहता है। शाह की चाणक्य नीति का असर केवल अवधारणा भर नहीं था; उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ से लेकर हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद अब बंगाल की उर्वर भूमि पर भी चरितार्थ कर दिखाया। शाह ने दिल्ली के वातानुकूलित कमरों को छोड़कर बंगाल की गलियों को अपना ठिकाना बना लिया। लगातार 15 दिनों तक उन्होंने बंगाल की मिट्टी की धूल फाँकी, मानों वह किसी चुनावी जीत के लिए नहीं, बल्कि एक सभ्यता को बचाने के मिशन पर निकले हों। शाह की कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता उनका अटूट संकल्प है। राजनीति के गलियारों में यह बात मशहूर है कि भवानीपुर हो या नई दिल्ली - संकल्प को परिणाम में बदलने का नाम ही अमित शाह है। बंगाल में भाजपा का उदय एक दिन का चमत्कार नहीं है, बल्कि यह शाह की एक दशक लंबी तपस्या का प्रतिफल है। यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटें, तो 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को केवल 3 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। लेकिन शाह ने हार नहीं मानी। उन्होंने शून्य में भी संभावनाओं को तलाशना शुरू किया। 2021 के चुनाव आते-आते उनकी रणनीति ने रंग दिखाया और भाजपा की ताकत 3 से बढ़कर 77 सीटों तक जा पहुँची, जिसने ममता बनर्जी के अभेद्य दुर्ग में पहली बार बड़ी दरार पैदा की थी, और अब 2026 में 207 सीटों का प्रचंड आंकड़ा छूना अमित शाह के उस कुशल संगठन कौशल की विजय है जिसे 'बूथ मैनेजमेंट' की पराकाष्ठा कहा जाता है। चुनावी मैदान के अजेय योद्धा शाह ने बंगाल के भूगोल को अपनी रणनीति के धागे में पिरो दिया। 50 से अधिक रैलियाँ और अनगिनत रोड शो झ हर सभा में वह केवल भाषण नहीं दे रहे थे, बल्कि बंगाल के उस गौरवशाली अतीत को याद दिला रहे थे जिसे टीएमसी के सिंडिकेट राज और 'कट मनी' संस्कृति ने गिरवी रख दिया था। शाह का मैनेजमेंट ऐसा था कि उत्तर बंगाल के चाय बागानों से लेकर सुंदरवन की खाड़ियों तक, हर जगह 'कमल' की चर्चा होने लगी। उन्होंने संगठन की ऐसी अभेद्य दीवार खड़ी की, जिसके सामने तृणमूल का कैडर राज ताश के पत्तों की तरह ढहने लगा। मैनेजमेंट गुरु शाह ने बंगाल के हर मतदान केंद्र पर अपनी 'साइलेंट आर्मी' तैनात कर दी थी। जहाँ एक ओर ममता बनर्जी अपनी सत्ता के घमंड में चूर थीं, वहीं शाह खामोशी से हर उस क्षेत्र में सेंध लगा रहे थे जहाँ भाजपा को पारंपरिक रूप से कमजोर समझा जाता था। उन्होंने बंगाल की जनता को यह अटूट विश्वास दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही 'सोनार बांग्ला' का निर्माण संभव है।